शुभ रूप चतुर्दशी

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 333 जयपुर, शनिवार, 11 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- त्रयोदशी-चतुर्दशी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

कांग्रेस की 7 गारंटी

गृह लक्ष्मी गारंटी | गौ धन गारंटी | फ्री लैपटॉप टैबलेट गारंटी | आपदा राहत बीमा गारंटी | अंग्रेजी माध्यम शिक्षा की गारंटी | सिर्फ ₹500 में सिलेंडर | ओ.पी.एस गारंटी

इस छोटी दीपावली खुशियों की एडवांस बुकिंग करें !

8587070707 पर मिस्ड कॉल देकर कांग्रेस की 7 गारंटियों में अपना नाम दर्ज कराएं

कांग्रेस फिर से!

जरूरी खबर

सीएम के ओएसडी की गिरफ्तारी पर 8 दिसंबर तक रोक

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली गिरफ्तारी से राहत आगामी 8 दिसंबर तक बरकरार रहेगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज कथित फोन टैपिंग मामले में शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब अगली सुनवाई 8 दिसंबर को दोपहर 3 बजे होगी। बता दें इससे पहले 3 नवंबर को भी मामले में सुनवाई नहीं हो पाई थी। इससे पहले 11 अक्टूबर को मामले पर सुनवाई हुई थी।

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

अहमदाबाद। वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में चल रहे साउथ अफ्रीका ने शुक्रवार को अफगानिस्तान को 5 विकेट से शिकस्त दी। यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने बेहतरीन गेम खेला. वहीं साउथ अफ्रीकी टीम फिर से एक बार चेज करने में लड़खड़ाती हुई नजर आई। अजमतुल्लाह ओमरजाई की बेहतरीन पारी की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 244 रन बनाए। ओमरजाई नाबाद 97 रनों की पारी खेली. जबकि साउथ अफ्रीका ने रासी वान डर दुसें की 76 के दम पर लक्ष्य का 47.3 ओवर में पीछा कर लिया।

ये भी देखें...

परकोटे में तीन दिन भारी वाहन निषेध पेज-2

धनतेरस पर बाजारों में धन बरसा पेज-3

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की हकीकत: लोगों की हेल्थ पर हमला, मिलावट करो... सिर्फ जुर्माना भरो

34000 में से सिर्फ 9 हजार सैंपल मिलावटी, सजा 45 को

बेधड़क | जयपुर

डीग के कैथवाड़ा और दौसा की बीएमसी में नकली दूध बनाने के मामले ने स्वास्थ्य विभाग के शुद्ध का युद्ध अभियान की पोल खोल दी है। चार साल में इसकी फूड इंस्पेक्टरों को भनक तक नहीं लगी और राजधानी में नकली दूध सप्लाई होता रहा। अगर स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें तो विभाग ने दिसंबर 2018 से जनवरी 2023 तक मिलावटखोरों के खिलाफ 8,177 प्रकरण दर्ज किए।

खास बात है कि विभाग द्वारा इस अवधि में 34 हजार से ज्यादा अलग-अलग खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। इनमें करीब 9 हजार सैंपल जांच में फेल यानी मिलावटी पाए गए। लेकिन विभाग कोर्ट से महज 45 प्रकरणों में ही मिलावटखोरों को सजा दिला पाया। कमजोर पैरवी के कारण 15 प्रकरणों में तो आरोपी दोष मुक्त हो गए। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के अभियान व अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

शहर में विभाग द्वारा हर बार त्योहारी सीजन में कार्रवाई की खानापूर्ति कर दी जाती है। सूत्रों का दावा है कि मिलावटखोरों की विभाग के जिम्मेदार अफसरों से सांठगांठ रहती है। ऐसे में या तो सैंपलों की जांच अटक जाती है या फिर गिन-चुने सैंपलों पर निर्णय नहीं हो पाता है।

5,500 मामले कोर्ट में विचाराधीन

पड़ताल में सामने आया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलग-अलग 37,512 बार मिलावट की सूचना पर निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान 34,912 जांच के लिए सैंपल लिए हैं। इनमें से 5,907 सैंपल सब स्टेंडर्ड के मिले, जबकि 2,559 मिस ब्रांड और 714 सैंपल अनसेफ पाए गए। विभाग द्वारा 4 साल में मिलावट के 8,177 प्रकरण दर्ज कराए गए। इनमें से 8 हजार प्रकरणों में कोर्ट में पेश कर दिया। इन प्रकरणों में से 5,500 प्रकरण अभी न्यायालय में पेंडिंग है। न्यायालय ने सजा के साथ में मिलावटखोंरों पर 15.52 करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाया है।

सजा और जुर्माने का प्रावधान

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम व विनियम 2011 के तहत धारा 50 से धारा 67 तक सजा व जुर्माने का प्रावधान है। धारा 52 में मिस ब्रांड प्रकरणों में 3 लाख तक, धारा 51 में सब स्टेंडर्ड प्रकरणों में 5 लाख, धारा 53 में मिस लीडिंग प्रकरणों में 10 लाख रुपए तक जुर्माना है, जबकि धारा 59 में अनसेफ प्रकरणों में 6 माह से लेकर उम्रकैद तक सजा व 2 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।

पीएम के बयान पर सीएम गहलोत का पलटवार, कहा...

मोदी से नहीं थी ऐसी भाषा की उम्मीद... ये जुमलेबाजी

■ हमने गायों के लिए जितना काम किया, उतना किसी ने नहीं किया

■ नए जिलों के लिए कमेटी सुझाव देती रहेगी, हम करेंगे अमल

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उदयपुर में दिए बयान पर आपत्ति जताई। पीएम मोदी ने कहा था कि आतंकियों से सहानुभूति रखने वाली कांग्रेस सरकार राजस्थान को बर्बाद कर देगी। इस पर सीएम गहलोत ने कहा है कि पीएम मोदी धर्म के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं। उदयपुर में हुए कन्हैया लाल मामले में प्रधानमंत्री जुमलेबाजी कर रहे हैं।

पीएम मोदी के गुरुवार को राजस्थान दौरे के दौरान दिए गए अपने बयानों पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत कहा कि उन्हें पीएम से इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा नेता ऐसी बातों को मुद्दा बना रहे हैं, जो मुद्दा ही नहीं है। इस विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता कांग्रेस के साथ है और वह फिर सरकार बनाएगी। बता दें कि पीएम मोदी ने उदयपुर में चुनावी सभा में कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर हमला बोलते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार को आतंकियों से सहानुभूति रखने वाली सरकार बताया था।

BJP के पास कोई चुनावी मुद्दा ही नहीं

सीएम गहलोत शुक्रवार को पाली जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान बाली के गणगौर मैदान में चुनावी सभा में भी गहलोत ने दोहराया कि भाजपा के पास कोई चुनावी मुद्दा ही नहीं है और जनता कांग्रेस के साथ है। गहलोत ने कहा कि भाजपा वाले हमें बदनाम करते हैं कि हम हिंदू नहीं हैं, गोभक्त नहीं हैं। इन आरोपों में कोई दम नहीं है। गायों के लिए सबसे ज्यादा काम और सबसे ज्यादा अनुदान हमने दिया है।

हम ओपीएस का कानून बनाएंगे

ओपीएस से कर्मचारियों को राहत दी है। अगली बार हम पुरानी पेंशन स्कीम का कानून बनाएंगे, ताकि कोई ओपीएस को खत्म नहीं कर सके। गहलोत ने कहा कि मुझसे जो मांगा गया, मैंने मना नहीं किया। मैंने कहा था कि मांगते-मांगते थक जाओगे, लेकिन मैं देते-देते नहीं थकूंगा। यहां के एमएलए ने मांगने में कंजूसी की होगी। इसका मैं कुछ नहीं कर सकता। हमनें 20 नए जिले बनाकर हमने इतिहास बनाया है। रामलुभाया कमेटी आने वाले समय में भी सुझाव देती रहेगी। उसके आधार पर काम करेंगे। हमने अब सात गारंटी दी है। गांवों में पट्टे कम बने हैं। इसके लिए प्रशासन गांवों के संग की योजना बनाएंगे।

पीएम का बयान देश के हित में नहीं: गहलोत

गहलोत ने कहा कि सभा में जो प्रधानमंत्री बोले हैं, वह हम लोगों को बहुत ही अस्वीकार्य हैं। मैं नम्र निवेदन करना चाहूंगा प्रधानमंत्री जी से कि कृपा करके इस प्रकार का माहौल नहीं बनाएं। देश के लिए, यह सब देश के हित में नहीं है, समाज के हित में नहीं है। हमारी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी तो है नहीं। हमारी यह विचारधारा की लड़ाई है। यह लड़ाई विचारधारा तक सीमित रहनी चाहिए। पीएम प्रोग्राम, पॉलिसी की बात करें, इश्यू की बात करें। पीएम नॉन इश्यू को इश्यू बना रहे हैं। उन्होंने कहा, आप इस प्रकार से धर्म के नाम पर लोगों को भड़का रहे हो, अभी से। उन्होंने यह दोहराते हुए कि प्रधानमंत्री मोदी से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं थी, कहा कि इसलिए मैंने कहा कि या तो उन्हें गलत ब्रीफिंग की गई है या वे घबरा गए हैं, बौखला गए हैं, और जानबूझ कर ये जुमला बोला है, मेरा यह मानना है।

मौसम ने खाई पलटी: प्रदेश के कई इलाकों में बरसा रबी के लिए अमृत

बारिश से घटा प्रदूषण... बढ़ी सर्दी, पारा गिरा दो डिग्री

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में उत्तरी विक्षोभ से मौसम में बदलाव देखने को मिला है। शुक्रवार को पूर्वी प्रदेश में राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में हल्की बारिश हुई है। इससे तापमान में गिरावट होने से हल्की सर्दी बढ़ गई है। वहीं, बारिश के कारण प्रदूषण का स्तर भी कम हो गया है।

राजधानी में बीते एक सप्ताह से बढ़ रहा प्रदूषण गुरुवार देर रात और शुक्रवार को बारिश होने से काफी कम हो गया। शहर में पॉल्यूशन का स्तर गुरुवार को एक्यूआई 205 था, जो शुक्रवार को गिरकर 173 पर आ गया। इससे लोगों को काफी राहत महसूस हुई। मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार बारिश के कारण आने वाले एक-दो दिन और तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

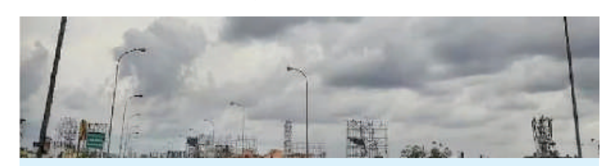

फतेहपुर में 13.9, जयपुर @ 21.2 डिग्री

विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश हुई। प्रदेश में सबसे कम तापमान फतेहपुर में 13.9 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी में 21.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। एक नए विक्षोभ के चलते कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दो तीन दिन में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान व्यक्त किया है।

रबी की फसल अच्छी बारिश

प्रदेश में बारिश होने से रबी की फसल को बहुत फायदा मिलेगा। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक गेहूं, सरसों, चना और जौ बोने के लिए जमीन में थोड़ी नमी जरूरी है। बारिश से जमीन में नमी आएगी, जो बुवाई के लिए अच्छी रहेगी। बारिश होने से किसानों के चेहरे पर भी खुशी आ गई है।

धनतेरस की खरीदारी

जयपुर। धनतेरस पर शहर के बाजारों में लोग खरीदारी के लिए उमड़े। लोगों ने जेवर, बर्तन, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण आदि खूब खरीदे।

फोटो: पंकज शर्मा

कन्हैया हत्याकांड पर जयराम रमेश और सीपी जोशी आमने-सामने

जोशी ने आरोप लगाया तो जयराम ने रियाज का फोटो दिखाया

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाले चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप पर उतर आए हैं। तुष्टीकरण को मुद्दा बना जहां भाजपा कांग्रेस पर हमलावर है, वहीं उदयपुर में कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उदयपुर की सभा में पीएम मोदी द्वारा कन्हैया हत्याकांड को राज्य सरकार पर बड़ा दाग बताने और बड़े मगरमच्छ भी पकड़ेंगे, वाले बयान पर पलटवार किया। दूसरी ओर, भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर पर प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने राजस्थान में बढते अपराध, भ्रष्टाचार और कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार को घेरा।

कन्हैया मर्डर केस के आरोपी तो भाजपा के साथ

कांग्रेस नेता सांसद जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर जो भी आरोप लगाए हैं, वो पूर्णत: बेबुनियाद हैं। इस दौरान रमेश ने उदयपुर के कन्हैया हत्याकांड पर कहा कि इस मामले के आरोपी तो भाजपा नेताओं के साथ हैं। उन्होंने पीएम के इस बयान पर भी कि 'राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने छोटी-छोटी मछलियों को पकड़ा है, जबकि मगरमच्छों को छोड़ दिया है', कहा कि हकीकत यह है कि बड़े मगरमच्छ का ताल्लुक भाजपा के साथ है। उन्होंने मुख्य आरोपी रियाज की एक तस्वीर दिखाते हुए पूछा कि भाजपा नेताओं के साथ नजर आ रहा यह मुख्य आरोपी कौन सी पार्टी का 'मगरमच्छ' है? इस आरोपी को 4 घंटे के अंदर हमारी सरकार ने पकड़ा।

शासन-प्रशासन के संरक्षण में पनप रहे दहशतगर्द

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गांधी परिवार के नजदीकी आचार्य प्रमोद कृष्णन ने उनकी हकीकत सबके सामने ला दी है। कृष्णन ने साफ कर दिया कि कांग्रेस में कुछ नेता ऐसे है, जिन्हें राम से नफरत है। इन नेताओं को हिंदू शब्द से नफरत है। ये वही कांग्रेस, जिसने राजस्थान में राम दरबार को तोड़ा, हाई कोर्ट में राम के पैदा नहीं होने का हलफनामा दिया। जोशी ने राजधानी के परकोटे से हो रहे पलायन को लेकर भी कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शहर की तीन विधानसभाओं में एक बाइक पर 5-5 लोग लटक कर घूम रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

जरूरी खबर

चार दिवसीय राजस्थान दौरे पर आएंगी मायावती

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव - 2023 को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती 4 दिवसीय राजस्थान दौरे पर आएंगी। 17 से 19 नवम्बर तक वह प्रदेश के दौरे पर रहेंगी और बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में कई स्थानों पर जनसभाएं करेंगी। जानकारी के अनुसार मायावती का धौलपुर, बानसूर, करौली, लाडनूं , गंगापुर और खेतड़ी में सभाएं करने का कार्यक्रम तय हुआ है। गौरतलब है कि इन चुनावों में भी बसपा सक्रिय रूप से मैदान उतरकर चुनाव लड़ रही है। पार्टी के करीब आधा दर्जन प्रत्याशी कई सीटों पर टक्कर में नजर आ रहे हैं।

परिवर्तित मार्ग से चलेगी अजमेर-किशनगंज ट्रेन

बेधड़क, जयपुर। उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल पर बाराबंकी-अयोध्या कैंट व अकबरपुर-जफराबाद रेलखण्डों के मध्य स्थित सालारपुर स्टेशन यार्ड के रिमॉडलिंग कार्य के कारण नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इससे रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार इस कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित गाड़ी संख्या 15716, अजमेर-किशनगंज रेलसेवा 20,21,23,27,28 नवंबर को अजमेर से प्रस्थान करेगी और रेलसेवा परिवर्तित मार्ग लखनऊ-बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर होकर संचालित होगी।

परकोटा से हिन्दुओं का पलायन मंदिरों किए जा रहे नष्ट

बेधड़क, जयपुर। हवामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बाल मुकुंदाचार्य ने शुक्रवार को जयपुर स्थित पार्टी मीडिया सेंटर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंनें कहा कि राजधानी के आदर्श नगर, हवामहल और किशनपोल विधानसभा क्षेत्रों में हजारों की संख्या में हिन्दू पलायन कर रहे हैं, पूरा परकोटा खाली हो गया। सनातनी संस्कृति को नष्ट करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

चाहे वो आदर्श नगर से 300 साल पुराने शिव मंदिर को खंडित करने का मामला हो या फिर रामगंज स्थित नाथ जी की बगीची की जमीन पर कब्जा करने का मामला हो।

यूपी व बिहार रूट की 11 रेलगाड़ियों में जनरल कोच में टीटीई व आरपीएफ बनाएगा व्यवस्था

बसों-ट्रेनों में सीट पाने की लगी होड़, घरों की ओर लौटे लोग

बेधड़क | जयपुर

दीपोत्सव पर्व पर धनतेरस की खरीदारी करने के बाद लोग अपने घरों की ओर रूख कर गए। इसके लिए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर लोगों की कतारें लगी रहीं। सभी अपना सफर पूरा करने के लिए सीट पाने की हौड़ में लगे रहे।

राजधानी के जयपुर जंक्शन, सिंधी कैंप बस स्टैंड व एयरपोर्ट पर यात्रियों का आना-जाना लगा रहा। भीड़ के आगे परिवहन व्यवस्था छोटी पड़ने पर अतिरिक्त बसों व ट्रेनों की व्यवस्था करनी पड़ी। सबसे ज्यादा सवारियों की भीड़ यूपी व बिहार जाने वाले रूटों पर रही। इसके लिए जयपुर जंक्शन पर इस तरफ जाने वाली 11 गाड़ियों को चिंहित कर स्टेशन पर आने-जाने के दौरान टीटीई व आरपीएफ स्टाफ जनरल कोच चढ़कर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने में मदद करेगा। साथ ही जनरल कोच में रेल यात्रियों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो, इसका ध्यान रखना होगा। स्टेशन निदेशक मिहिदेव के अनुसार जयपुर जंक्शन पर दो टिकट काउंटरों की व्यवस्था की गई है। यात्रियों को 24 घंटें दो एटीवीएम चालू रखवाकर मशीनों से टिकट दिलवाई जाएगी।

35 टिकट चेकिंग स्कवॉड रखेगी बेटिकटों पर नजर

जयपुर मंडल सीनियर डीसीएम मुकेश सैनी ने बताया कि रेलवे की ओर से त्यौहारी सीजन में बेटिकट यात्रा करने वालों पर विशेष नजर रखकर पकड़ने की योजना बनाई गई है। इससे की जो आरक्षित व टिकटधारी यात्री को यात्रा में असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए 35 टिकट चेकिंग स्कवॉड बनाकर तैनात की गई है। राउंड द क्लॉक सुपरवाइजर व अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर तैनात किया गया। 11 से 15 नवंबर तक विशेष टिकट चेकिंग अभियान रहेगा।

रोडवेज में सीट पाने के लिए करनी पड़ी जुगत

दिवाली के मौके पर घर जाने के लिए सिंधीकैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ रही। साधारण श्रेणी व एक्सप्रेस श्रेणी की बसों में यात्रियों को सीट पाने के लिए कशमकश करना पड़ा। यातायात मैनेजर हितेंद्र जांगिड़ के जांगिड़ के अनुसार यात्रियों को गंतव्य तक भेजने के लिए अन्य डिपों से बसों मंगवाकर अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि करीब 850 बसें रोजाना जाएंगी। अगले दो दिन में चालीस हजार के करीब यात्रियों को बसों से भेजने की तैयारी है।

पुणे के लिए स्पेशल रेल सेवा

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार त्योहार में यात्री भार को देखते हुए दुर्गापुरा (जयपुर)-दौंड़(पुणे) सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा चलाई जाएगी। यह ट्रेन 15 व 22 नवंबर को दुर्गापुरा से बुधवार को 18.40 बजे रवाना होकर गुरूवार को 18.20 बजे दौंड़ पहुंचेगी। वापसी में 16 व 23 नवंबर को दौंड़ से गुरूवार को 23.10 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 22.05 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में सवाईमाधोपुर, कोटा, नागदा, रतलाम, गोदरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, पनवेल, लोनावला व पुणे स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

दिवाली पर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने जारी की गाइडलाइन

परकोटे में तीन दिन भारी वाहन निषेध, अभय कमांड से निगरानी

- रोशनी देखने के लिए एक तरफ सड़क पर चलेंगे आमजन
- रामनिवास बाग, रामलीला मैदान और चौगान स्टेडियम में होगी पार्किंग

बेधड़क | जयपुर

धनतेरस के त्योहार के साथ शुक्रवार से दीपोत्सव का आगाज हो चुका है। दीपावली के त्योहार को देखते हुए जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने यातायात के विशेष प्रबंध किए हैं।

इसी के साथ राजधानी जयपुर के परकोटे में शनिवार से भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिससे परकोटे में यातायात की सुविधा को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया जा सके। इसके साथ ही बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोग भी अपने वाहन बाजार में पार्क नहीं कर सकेंगे।

लोगों को रामनिवास बाग, अंडरग्राउंड पार्किंग और रामलीला मैदान ग्राउंड पार्किंग में अपने वाहन पार्क करने होंगे। इसके अलावा बाजारों में होने वाली रोशनी को देखने के लिए लोग अजमेरी गेट और सांगानेरी गेट से छोटे वाहन लेकर अंदर प्रवेश कर सकेंगे। जो लाइटिंग देखते हुए चौड़ा रास्ता होते हुए न्यू गेट, चांदपोल बाजार होते हुए संजय सर्किल और घाटगेट होते हुए परकोटे से बाहर निकल सकेंगे।

रोडवेज बसों के लिए रहेगा ये मार्ग

सिंधी कैम्प बस स्टैण्ड से राडवेज और निजी बसें पोलोविक्ट्री मॉल, मोतीलाल अटल रोड, गणपति प्लाजा, खासाकोठी पुलिया, राजपूताना कट स्टेशन रोड से हसनपुरा पुलिया के नीचे से अजमेर पुलिया के नीचे, 22 गोदाम सर्किल, रामबाग चौराहा से गांधी सर्किल होते हुए जवाहर नगर बाईपास, रोटरी सर्किल से दिल्ली और आगरा रोड की तरफ आएंगी-जाएंगी। वहीं टोंक और कोटा जाने वाली बसें सिन्धी कैम्प से पोलोविक्ट्री, मोतीलाल अटल रोड, गणपति प्लाजा, खासाकोठी पुलिया, राजपूताना कट स्टेशन रोड से होटल राजपुताना शैरेटन के सामने से हसनपुरा पुलिया के नीचे से अजमेर पुलिया के नीचे, सिविल लाईन फाटक, राजमहल टी पोईन्ट, 22 गोदाम सर्किल होते हुए सहकार मार्ग, लक्ष्मी मंन्दिर तिराहा से टोंक पुलिया होते हुये टॉक, कोटा की तरफ आ—जा सकेगी। वहीं अजमेर की तरफ जाने वाली बसें पोलोविक्ट्री मोतीलाल अटल रोड, गणपति प्लाजा, खासाकोठी पुलिया से राजपूताना कट स्टेशन रोड, होटल राजपुताना शेरेटन के सामने से हसनपुरा पुलिया के उपर, पी.डब्लू.डी चौराहा, नाटाणियों का चौराहा से अजमेर की तरफ जा सकेगी। सीकर और झुंझुनूं की तरफ जाने वाली बसें मयंक तिराहा पारीक कॉलेज रोड, झोटवाडा रोड,पानीपेच, चौमू तिराहा होकर सीकर की तरफ से जा सकेंगी औरआने वाली बसें चौमू तिराहा, पानीपेच, चिंकारा, कलैक्ट्री सर्किल, खासाकोठी स्लिप लेन होकर सिन्धी कैंप बस स्टैण्ड आ सकेगी।

इन्हें मिलेगी एंट्री

इस दौरान केवल दुपहिया और छोटे वाहनों को ही परकोटे में प्रवेश मिलेगा। वन वे ट्रैफिक व्यवस्था के दौरान सड़क के एक तरफ जहां वाहन चलेंगे तो वहीं दूसरी तरफ पैदल चलने वाले लोगों के लिए रास्ता मौजूद रहेगा। इसके साथ ही परकोटे में यातायात दबाव होने पर वन वे और डायवर्जन में बदलाव किया जाएगा। नॉर्थ जिला पुलिस के साथ मिलकर जयपुर ट्रेफिक पुलिस द्वारा इन तमाम व्यवस्थाओं का संचालन किया जाएगा। वही अभय कमांड सेंटर से भी पूरे शहर पर निगरानी रखी जाएगी।

बाहरी क्षेत्रों में भी होगी व्यवस्था

मानसरोवर मध्यम मार्ग, मालवीय नगर में गौरव टॉवर, वैशाली नगर में आम्रपाली सर्कल, राजापार्क इलाकें में भी रोशनी देखने आने वाले दर्शकों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। वहीं इन मार्गों पर भी भारी वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

भाजपा का कुनबा बढ़ा

मेहरिया की घर वापसी, समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

- 25 अक्टूबर को जॉइन की थी कांग्रेस

बेधड़क | जयपुर

राज्य में भाजपा के टिकट वितरण के बाद भी भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। शुक्रवार को खींवसर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी भागीरथ मेहरिया ने अपने समर्थकों अर्जुनराम मेहरिया, मनीराम काला बलाया, भागीरथ बनगांवा और बद्रीराम बिडियासर के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और नागौर विधायक मोहनलाल चौधरी ने सभी को सदस्यता ग्रहण कराई। भागीरथ मेहरिया 2013 में खींवसर से भाजपा प्रत्याशी रहे हैं, और 2013 से लेकर 2023 तक भाजपा में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में निरंतर काम कर रहे थे, लेकिन मेहरिया ने 25 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली थी। लेकिन 15 दिन बाद भागीरथ की घर वापसी हो गई। वह समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए।

कृष्ण गुर्जर ने थामा BJP का दामन

वहीं जैतारण विधानसभा क्षेत्र के विधायक अविनाश गहलोत एवं गुर्जर समाज आरक्षण संघर्ष समिति के संभाग अध्यक्ष देवाराम कटारिया के नेतृत्व में आरएलपी के प्रदेश प्रवक्ता रोहित गुर्जर व पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी कृष्ण सिंह गुर्जर और पाली गुर्जर महासभा जिलाध्यक्ष बाबुलाल गुर्जर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन्हें प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी सदस्यता ग्रहण कराई।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हुआ आयोजन

VR के जरिए युवाओं को मतदान प्रक्रिया से कराया रूबरू

बेधड़क | जयपुर

आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं की भागीदारी को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय उन्हें जागरूक करने में जुटा हुआ है।

प्रत्येक युवा मतदान करें इसके लिए जिला निर्वाचन विभाग सभी 19 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। जिसके तहत अलग-अलग स्थानों पर कई गतिविधियों के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान की अपील की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह के निर्देश पर जयपुर के विद्याधर नगर स्थित एक निजी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में वीआर प्रेजेंटेशन के जरिए मतदाताओं को रोचक तरीके से मतदान प्रक्रिया से रूबरू करवाया गया। इस मौके पर मैं भारत हूं गीत एवं 25 नवंबर का पहला काम, चलो बूथ करो मतदान जैसे स्लोगन से युवा मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही, केवाईसी, सक्षम, सी-विजिल एवं वोटर हेल्पलाइन एप की जानकारी दी गई।

नैय्यर के गो हत्या के आरोप के बाद भाजपा कांग्रेस आमने-सामने

भाजपा करवाती है दंगे: खाचरियावास

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान की सियासत में अब गौ-माता की एंट्री हो गई है। आदर्श नगर में तीन गायों की मौत के मामले में कांग्रेस के सिविल लाइंस से प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जिस तरह के आरोप भाजपा नेताओं ने लगाए हैं, वह इन सब बातों का पहले ही अंदेशा जता चुके थे और अब वैसा ही होता जा रहा है।

खाचरियावास ने कहा कि वे लगातार इस बात को कह रहे थे कि आपस में झगड़ा कराया जा सकता है, गौ-माता का मुद्दा उठाया जा सकता है और अब ये लोग उसी मुद्दे पर आ गए हैं।

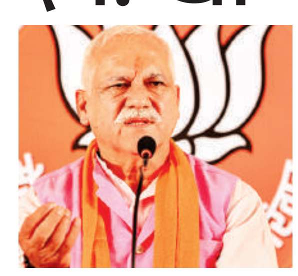

इसलिए सभी अपनी गायों की बांधकर रखे। खाचरियावास का कहना है कि भाजपा इलेक्शन में जैसे-जैसे कमजोर हो रही है, वैसे ही इस तरह के मुद्दे उठा रही है।

खाचरियावास ने जनता से अपील करते हुए कहा कि भाजपा वाले किसी भी तरह की हरकत कर सकते हैं। भाजपा धार्मिक आधार पर पैसा इकठ्ठा करने और दंगे करवाने वाली है। भाजपा और कांग्रेस की सरकार मस्जिद नहीं बनाती, मुस्लिम समाज अपने स्तर पर इन्हें बनाता है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस मंदिर बनाती है।

भाजपा के नेता पहले मुस्लमानों को टारगेट करते थे अब सिक्खों, गुरुद्वारों को टारगेट कर रहे हैं। वहीं आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर ने शुक्रवार को अपने चुनाव कार्यालय पर तीन गायों की मौत को हत्या बताते हुए इसकी जांच की मांग की है। इसके लिए रवि नैय्यर ने मोतीडूंगरी पुलिस थाने में परिवाद भी दिया है। नैय्यर ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर पर प्रेसवार्ता कर इस पूरे घटनाक्रम के लिए प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को इसका जिम्मेदार बताया है। नैय्यर ने कहा कि उनके कार्यालय पर गौमाता की हत्या कर प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी द्वारा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई, साथ ही सनातनियों की आस्था पर आघात किया गया।

गणपति प्लाजा के निजी वॉल्ट लॉकर्स का मामला

लॉकर से पकड़ी एक करोड़ 38 लाख की नकदी और ज्वेलरी जब्त

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा के निजी वॉल्ट के लॉकर्स में छिपे धन को लेकर 29 दिन पूर्व शुक्रवार 13 अक्टूबर को शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही।

पिछले दो दिन से खुल रहे लॉकर्स में जब्त करने योग्य राशि व नकदी नहीं निकलने से निराश आयकर अधिकारियों के मन की मुराद आज जरूर पूरी हुई। आयकर अधिकारियों ने आज दोपहर करीब 12.30 बजे एक प्रोफेशनल के नाम से खोले गए इन दो लॉकर्स को खोला तो उनमें रखी नकदी और ज्वेलरी आदि देख अधिकारियों का मन प्रसन्न हो गया। बताया जाता है कि एक लॉकर में अधिकारियों को सात लाख 50 हजार की नकदी और दूसरे लॉकर में एक करोड़ 30 लाख 50 हजार रुपए की नकदी बरामद की। इसके अलावा लॉकर्स से अधिकारियों ने एक करोड़ 61 लाख व 70 लाख रुपए का हिसाब भी बरामद किया। अधिकारियों को लॉकर्स से 2865 ब्रिटिश पाउण्ड व 9 लाख की 161 ग्राम ज्वेलरी भी मिली, जिसे जब्त किया गया है। विभागीय अधिकारी अब तक यहां से 9.36 करोड़ से अधिक नकदी व करीब 7.08 करोड़ मूल्य का 11414 ग्राम सोना व स्वर्णाभूषण भी जब्त कर चुके हैं। आयकर सर्वे की कार्रवाई यहां फिलहाल जारी है।

15 दिन पूर्व दिया था नोटिस

शुक्रवार को खोले गए लॉकर धारक को आयकर अधिकारियों ने करीब 15 दिन पूर्व अधिकारियों के समक्ष लॉकर खोलने से संबंधित नोटिस जारी किया था। लॉकर धारक की ओर से सहयोग नहीं करने की दशा में अधिकारियों ने आज इस लॉकर को लॉकर निर्माता गोदरेज कम्पनी के कर्मचारियों की मदद से खुलवाया। लॉकर खोलने से पूर्व अधिकारियों ने लॉकर खोलने की सभी औपचारिकताएं पूरी की और कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई। लॉकर खोलने व इसमें बड़ी मात्रा में नकदी निकलने की संभावनाओं को देखते हुए इस मौके पर रीजनल और नेशनल मीडिया का भी जमावड़ा हो गया। लॉकर से निकाली गई सामग्री को अधिकारी लॉकर संचालक कम्पनी के कार्यालय में ले आए और इसकी मशीन के माध्यम से गणना शुरू की।

लॉकर धारकों का पहुंचना शुरू

आयकर विभाग का नोटिस मिलने के बाद कथित संदिग्ध लॉकर धारक अब अपने लॉकर को खोलने के लिए अधिकारियों के समक्ष पहुंचने लगे हैं। गत बुधवार व गुरुवार को भी यहां ऐसे 9 लॉकर धारक पहुंचे और अपने लॉकर्स खुलवाए, लेकिन इन लॉकर्स में निजी उपयोग की ज्वैलरी दस्तावेज व मामूली नकदी मिली, जिसे जब्त नहीं किया गया। बताया जाता है कि लॉकर धारक से अधिकारी पहले बयान लेते हैं और उसके बाद स्वतंत्र गवाहों के सामने खोले जा रहे लॉकर की वीडियोग्राफी कराई जाती है, और लॉकर खुलने के बाद उसमें मिली सामग्री का विवरण तैयार किया जाता है, जिसकी एक प्रति आयकर अधिकारी अपने पास सुरक्षित रखते हैं और एक प्रति संबंधित लॉकर धारक को उपलब्ध करा दी जाती है।

चार संदिग्ध लॉकर्स फ्रीज

आयकर अधिकारियों का कहना है कि यदि समय विस्तार के बाद भी लॉकर नहीं खोले जाते हैं तो विभाग ऐसे लॉकर्स को फ्रीज कर देगा और लॉकर धारक सर्वे कार्रवाई समाप्त होने के बाद भी बिना आयकर विभाग की अनुमति के इन लॉकर्स को खोल नहीं सकेंगे। विभाग ऐसे चार संदिग्ध लॉकर्स फ्रीज कर भी चुका है। उधर, विभागीय अधिकारी कुछ और संदिग्ध लॉकर धारकों को चिन्हित करने का प्रयास जारी रखें हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर संचालक, रोयरा सेफ्टी वॉल्ट के लॉकर्स में जारी आयकर सर्वे के बावजूद यहां लॉकर मालिकों के लॉकर संचालन पर कोई रोक नहीं है, लेकिन फिर भी सीमित संख्या में ही लॉकर मालिक यहां लॉकर खोलने आ रहे हैं। आयकर सर्वे की कार्रवाई शुक्रवार को 30 वें दिन भी जारी रही।

धनतेरस पर बाजारों में धन बरसा

आयुर्वेद संस्थान में हुआ भगवान धन्वंतरि का पूजन, रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया शहर

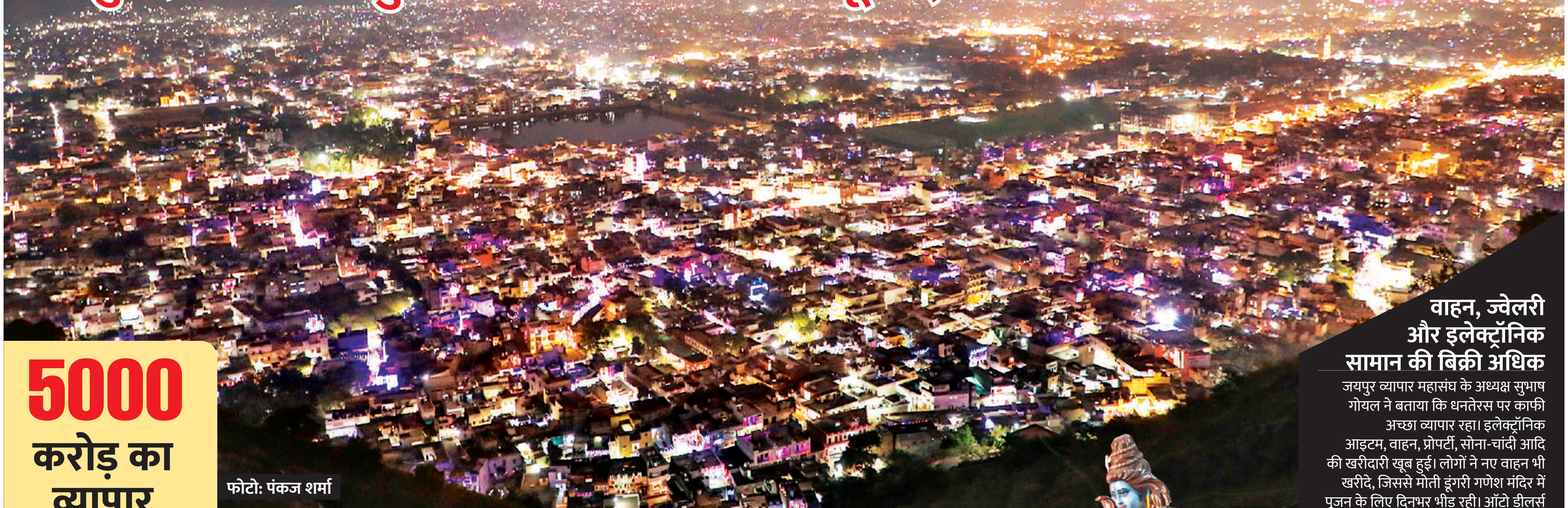

फोटो: पंकज शर्मा

5000 करोड़ का व्यापार

06 दिवसीय दीपोत्सव शुरू

आज मनेगी रूप चौदस

बेधड़क | जयपुर

धन-संपदा, सुख-समृद्धि, प्रकाश और दीपों के छह दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरुआत शुक्रवार को धनतेरस के साथ हो गई। इस दौरान शहर के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। एक अनुमान के मुताबिक धनतेरस पर करीब पांच हजार करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। लोगों ने सोना-चांदी के जेवरातों सहित विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बर्तन आदि की खरीद की। मिट्टी के दीये, सजावटी सामग्री व लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति के सजे स्टॉल पर भारी भीड़ देखी गई। शाम को लोगों ने घरों में दीये जलाकर भगवान धनवंतरी, भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा की। ग्राहकों को लुभाने के लिए बाजार में एक से बढ़कर एक स्कीम देखने को मिली।

फोटो: राजेश कुमावत

वाहन, ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान की बिक्री अधिक

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि धनतेरस पर काफी अच्छा व्यापार रहा। इलेक्ट्रॉनिक आइटम, वाहन, प्रोपर्टी, सोना-चांदी आदि की खरीदारी खूब हुई। लोगों ने नए वाहन भी खरीदे, जिससे मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजन के लिए दिनभर भीड़ रही। ऑटो डीलर्स के मुताबिक आगामी दो दिन में शहर में करीब पांच हजार दुपहिया वाहन और एक हजार चौपहिया वाहनों की बिक्री की संभावना है। उधर, एमआई रोड, जौहरी बाजार, नेहरू बाजार, बापू बाजार, हल्दियों का रास्ता, गोपालजी का रास्ता सहित सभी बाजारों में रोशनी शुरू हो चुकी है। शाम होते ही बाजार में रोशनी देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड की ओर से मेला भी लगाया गया है, जहां पटाखों के साथ दिवाली से जुड़े अन्य सामान बिक रहे हैं। महाप्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि दीपोत्सव मेले में शिवकाशी के पटाखे 65 फीसदी छूट पर मिल रहे हैं। मेले में करीब 72 तरह के पटाखे मिल रहे हैं। लोगों ने दिन में भगवान धनवंतरी और शाम को यमराज का पूजन किया। शनिवार को रूप चतुर्दशी मनाई जाएगी। इस दौरान घरों में अभ्यंग स्नान होगा।

जरूरी खबर

रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला कांस्टेबल का शव

बारां। पुलिस लाइन में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल का शव संदिग्ध हालत में मिला है। कांस्टेबल का शव कोटा रोड पर स्थित नटराज नगर की रेलवे की पटरी के पास पड़ा मिला। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्र मीणा ने बताया कि रेलवे लाइन का पास डेड बॉडी की सूचना मिली थी। जांच शुरू की तो शव की पहचान पुलिस कांस्टेबल नरेश मीणा के रूप में हुई।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई 2 कुरजां की मौत

जैसलमेर। जैसलमेर के फतेहगढ़ के देगराय मंदिर इलाके के पास हाईटेंशन लाइनों से टकराकर 2 प्रवासी कुरजा पक्षी की मौत हो गई। एक पक्षी का शव बरामद हुआ वहीं दूसरे के शव को कुत्तों ने नोच लिया। देगराय मंदिर इलाके के पास इन दिनों प्रवासी कुरजा पक्षियों का पड़ाव डाला हुआ है। उड़ान भरते समय 2 प्रवासी कुरजा पक्षी हाईटेंशन लाइनों की चपेट में आ गए। पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह भाटी का कहना है कि हम लगातार इन हाईटेंशन लाइनों को अंडर ग्राउंड करने की बात कर रहे हैं मगर सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही है।

फूड सेफ्टी टीम ने पकड़ा 150 लीटर नकली सरस घी

अजमेर। फूड सेफ्टी टीम ने कार्रवाई करते हुए सरस घी के ब्रांड जैसा पैकिंग किया हुआ दूसरा घी पकड़ा। प्राथमिक जांच में इस घी में मिलावट होने का अंदेशा है। 150 लीटर घी टीम ने सीज कर दिया है। सीएमएचओ डॉ. अनुज पिंगोलिया के निर्देशों पर बिजयनगर स्थित घी तेल की होलसेल दुकान मैसर्स मुकेश डेयरी प्रोडक्ट पर मिलावट का संदेह होने पर कार्रवाई की। टीम ने यहां से 150 लीटर घी व 100 लीटर रिफाइंड पाम ऑयल सीज किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी व केसरीनंदन शर्मा ने बताया की हुबहू सरस घी जैसी पैकिंग में घी बेचा जा रहा था। एक लीटर के पैकेट पर एमआरपी रुपए 600 अंकित थी, जबकि बिल के अनुसार खरीद 356 ही थी।

अमर्यादित भाषण देने पर कार्रवाई: मुख्यमंत्री, एसपी और थानेदार को पीटने की बात कही

वैर से BJP प्रत्याशी कोली को चुनाव आयोग ने थमाया नोटिस

बेधड़क | भरतपुर

भरतपुर की वैर विभानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बहादुर सिंह कोली को रिटर्निंग अधिकारी ने आचार संहिता उल्लंघन का नोटिस थमाया है। बहादुर सिंह कोली के भाषण का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कोली मुख्यमंत्री, एसपी और थानेदार को पीटने की बात कर रहे थे।

वीडियो वायरल की खबरें प्रकाशित होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए नोटिस भेजकर उनसे तीन दिन में जवाब मांगा है। भाजपा प्रत्याशी बहादुर सिंह कोली का 8 नवंबर को खेरला में गए थे। वहां सभा को संबोधित करते समय यह बात कही थी। यह वीडियो वैर विधानसभा क्षेत्र के गांव खेरला का है। वीडियो में कोली अमर्यादित भाषण देते नजर आ रहे थे। कोली बोल रहे थे- मैंने एसपी को पीटा, थानेदार को पीटा और मुख्यमंत्री को भी पीटा है। इतना ही नहीं वायरल वीडियो में कोली ने जाटव समाज को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कही थी। इससे पहले बहादुर सिंह कोली का डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें वह स्थानीय लोगों के साथ सड़क पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

मामले पर कोली ने दी सफाई

वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा प्रत्याशी बहादुर सिंह कोली ने अपने वायरल वीडियो के बयान पर सफाई देते हुए कहा- प्रचार के दौरान कुछ गुर्जर भाई बोल रहे थे कि आप सुस्त मत रहो, हम ही पटक लेंगे। मैं चार चुनाव लड़ चुका हूं। मैंने सीएम को और डॉक्टर को भी हराया है। आईएएस को भी हराया है। पीटने से मेरा मतलब लात घूंसा चलाने से नहीं, बल्कि चुनावों में हराने से है।

आचार संहिता का उल्लंघन

बहादुर सिंह कोहली के भाषण को आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए वैर के रिटर्निंग अधिकारी ललित मीणा ने कोली को नोटिस दिया है। नोटिस में लिखा है कि बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के खेर्रा गांव में सभा आयोजित की गई। जिसमें मुख्यमंत्री, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, जो कि आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इससे सामाजिक विद्वेष की भावना भड़कने, सौहार्द्र बिगड़ने की संभावना है, इसलिए बयान के संबंध में तीन दिन में जवाब पेश करें।

सांसद और विधायक रहे

बीजेपी ने वैर विधासभा सीट पर बहादुर सिंह कोली को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने यहां से भजन लाल जाटव को मैदान में उतारा है। इससे पहले बहादुर सिंह कोली वैर विधानसभा सीट पर साल 2008 और 2013 में विधायक रह चुके हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बहादुर सिंह कोली प्रत्याशी बनाया और वह लोकसभा चुनाव जीत कर संसद पहुंचे। सांसद बनने के बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने युवक को लिया हिरासत में

जोधपुर: कार से 1 करोड़ 97 लाख के नकली नोट बरामद

बेधड़क | जोधपुर

शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को कल्पतरू के पास ट्रैवल्स ऑफिस के सामने कार से 1.97 करोड़ की जाली भारतीय मुद्रा जब्त कर एक युवक को हिरासत में लिया। इस संबंध में नोडल पुलिस स्टेशन सरदारपुरा में एफआइआर दर्ज करवाई गई है। सभी नोट 500 के हैं। पुलिस ने नोट और कार जब्त कर ली है। एक आरोपी को डिटेन किया गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी वेस्ट गौरव यादव ने बताया- पुलिस को सूचना मिली थी कि शास्त्रीनगर थाना इलाके में एक कार से बड़ा अमाउंट कैश में लाया जा रहा है। सूचना पर टीम को भेजा तो कार से करीब 1.97 करोड़ का कैश जब्त किया, सभी नोट 500 के थे।

एक ही सीरीज के नोट होने के कारण प्राथमिक जांच में करेंसी फेक पाई गई है। इसके बाद 102 में मामला दर्ज कर कैश को जब्त कर लिया गया है। कार व कैश के साथ मिले आरोपी हनवंत को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। हनवंत नागौर का निवासी है। उससे मिली सूचना के आधार पर कुछ और लोगों को संदेह के आधार पर पकड़कर पूछताछ की जा रही है। इस मामले की जांच में एडीसीपी के नेतृत्व में एसीपी वेस्ट और पांच-छह थानों के एसएचओ लगाए हैं। साथ ही डीएसटी को भी लगाया है गया है ताकि मामले की विस्तृत जांच की जा सके। फिलहाल यह पैसा कहां से आ रहा था और इसका इस्तेमाल किस मकसद के लिए किया जाना था, इस बारे में जांच के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

■ एक ही सीरीज के हैं नोट, जांच में जुटी छह थानों की पुलिस

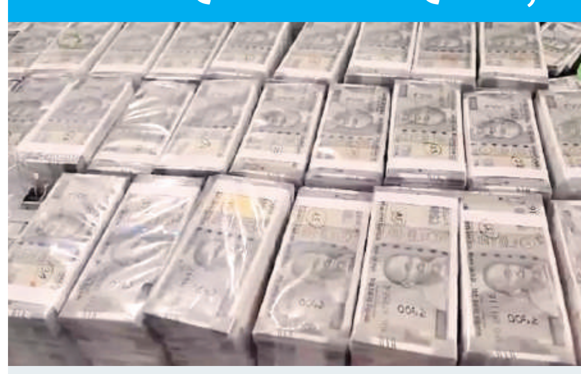

संपत्ति बेचने पर मिली थी जाली मुद्रा

पुलिस ने जाली मुद्रा के साथ मौके से पकड़ में आए नागौर निवासी हनवंत से पूछताछ की। वह अलग-अलग जानकारी दे रहा है। उसका कहना है कि उसने सम्पत्ति का बेचान किया था। 1.97 करोड़ की जाली मुद्रा चेक की अतिरिक्त राशि थी। संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति ने उसे जाली मुद्रा दी थी। फिलहाल उसकी जानकारी का सत्यापन करवाया जा रहा है।

68 ग्राम अफीम के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

अनूपगढ़। विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस की ओर से क्षेत्र में नाकाबंदी की जा रही है। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के नेतृत्व में अंबेडकर सर्किल पर भी पुलिस के द्वारा नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को 68 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। वहीं एक एसयूवी गाड़ी को भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी गौरव गोदारा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान शुरू कर दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में गौरव गोदारा ने बताया कि उसने यह अफीम जोधपुर से मंगवाई थी। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि एसपी राजेंद्र कुमार के निर्देशानुसार एएसआई कालूराम, एएसआई कमलजीत,कांस्टेबल राजेश कुमार,रोशन लाल और तेजपाल के साथ गुरुवार शाम अंबेडकर सर्किल पर नाकाबंदी कर रखी थी। नाकाबंदी के दौरान रामसिंहपुर से एक एसयूवी गाड़ी आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब गाड़ी चालक को गाड़ी रोकने का इशारा किया तो चालक ने एक बार गाड़ी को धीरे कर लिया और उसके बाद अचानक से चालक ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। एसएचओ जांगिड़ ने बताया कि अचानक गाड़ी की स्पीड बढ़ाने से पुलिस प्रशासन के द्वारा मुख्य सड़क को बैरिकेट्स लगाकर बंद कर दिया गया और तब चालक ने गाड़ी रोक ली।

अटरु थाना क्षेत्र में हादसा

ट्रैक्टर पलटने से पिता-पुत्र नीचे दबे, दोनों की मौत

बेधड़क | बारां

पानी के गड्ढे में ट्रैक्टर पलटने से पिता-पुत्र उसके नीचे दब गए। उनकी चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मदद के लिए दौड़े और उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अटरु पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिए। हादसा जिले के अटरु थाना क्षेत्र के सहरोद में शुक्रवार को पीएचसी के पास हुआ।

अटरु थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जुर ने बताया कि बामला निवासी मुकुट बिहारी सुमन (35) पुत्र रामेश्वर सुमन शुक्रवार को बेटे अंकित सुमन (15) के साथ सहरोद में खेत पर हंकाई-जुताई के लिए गया था। इस दौरान एक खेत पर हंकाई-जुताई करने के बाद वे ट्रैक्टर से दूसरे खेत पर जा रहे थे, तभी सहरोद में निर्माणाधीन पीएचसी के समीप रास्ते में पानी से भरे गड्ढे में ट्रैक्टर अचानक बेकाबू होकर पलट गया। जिससे ट्रैक्टर सवार पिता-पुत्र ट्रैक्टर के नीचे दब गए। इस दौरान चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मदद के लिए दौड़े।

ग्रामीणों ने एक अन्य वाहन को मौके पर बुलाकर ट्रैक्टर को सीधा किया और नीचे दबे पिता-पुत्र को बाहर निकाला। दोनो को गंभीर हालत में निजी वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टर ने जांच के बाद गंभीर घायल पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए। घटना की जानकारी मिलने पर गांव में मातम छा गया।

ऑपरेशन जैकपॉट के तहत कार्रवाई

पुलिस ने 1.50 करोड़ रुपए कीमत की खैर की लकड़ियां बरामद की

बेधड़क | भीलवाड़ा

हमीरगढ़ थाना पुलिस की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी में 1.50 करोड़ रुपए कीमत की 14380 किलो प्रतिबंधित खैर (कत्था) की गीली लकड़ियों से भरा ट्रक जब्त कर पडावदा थाना नौगावां अलवर निवासी तस्कर अब्बास खान उर्फ लल्ली मेव पुत्र महमूदा (28) और हारून खान उर्फ हल्लू मेव पुत्र सरपू खान (21) को गिरफ्तार किया है। एसपी श्याम सिंह ने बताया कि विशेष अभियान ऑपरेशन जैकपॉट के तहत यह कार्रवाई की गई है। कांस्टेबल नेतराम व शैतान सिंह ने उदयपुर से प्रतिबंधित खैर की लकड़ी ट्रक से हरियाणा तस्करी किए जाने की सूचना दी। सूचना पर एसएचओ भंवर लाल मय टीम द्वारा तख्तपुरा पर नाकाबंदी की गई। इसी दौरान चित्तौड़गढ़ की तरफ से आ रहा एक 10 चक्का ट्रक का चालक नाकाबंदी तोड़कर भीलवाड़ा की ओर भागने लगा। पीछा कर टीम ने बिलियाकला के पास ट्रक को रुकवाया। ट्रक की तलाशी ली गई तो ट्रक में ताजा कटी हुई खैर की लकड़ियां भरी हुई मिली। जिसका कुल वजन 14 हजार 380 किलोग्राम निकला।

सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर झुंझुनूं पुलिस की कार्रवाई

दस लाख के गांजे के साथ दो गिरफ्तार

बेधड़क | झुंझुनूं

पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर झुंझुनूं जिले की सूरजगढ़ थाना पुलिस व डीएसटी ने गुरुवार देर रात कुलोठ खुर्द गांव में दबिश देकर सरकारी स्कूल के पीछे सुनसान जगह बैठे दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 लाख रुपए कीमत का 29 किलो गांजा बरामद किया है।

मौके से फरार हुए इनके एक साथी और नशे की खेप मंगवाने वाले आरोपी की तलाश की जा रही है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा, रामनिवास व कमल सिंह को नागालैंड स्टेट से गांजा तस्करी कर झुंझुनूं आने की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद डीएसटी और सूरजगढ़ थाना पुलिस ने कुलोठ खुर्द गांव दो आरोपियों राजवीर सिंह पुत्र जसवंत सिंह (38) निवासी मुकुंदगढ़ तथा अजय कुमार नायक पुत्र हवा सिंह (24) निवासी झुंझुनू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं आनंद सिंह राजपूत निवासी मुकुंदगढ़ भागने में कामयाब रहा। आरोपियों के पास मिले प्लास्टिक के दोनों कट्टे में कुल 29 किलो गांजा बरामद किया गया। एडीजी ने बताया कि इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा, रामनिवास व कमल सिंह की विशेष भूमिका रही वही टीम का कुशल नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत द्वारा किया गया।

चंबल रिवर फ्रंट मामले में 6 सप्ताह में देंगे रिपोर्ट

दो दिन के निरीक्षण के बाद रवाना हुई एनजीटी की टीम

बेधड़क | कोटा

एनजीटी के निर्देश पर गठित चार सदस्य टीम ने दो दिन तक चंबल रिवर फ्रंट का निरीक्षण किया। टीम अब कोटा से रवाना हो गई है। टीम ने रिवर फ्रंट और किशोर सागर तालाब पहुंचकर मौका मुआयना किया।

विजिट के बाद टीम ने कोटा यूआईटी,फॉरेस्ट विभाग, इरिगेशन विभाग और जिला कलेक्ट्रेट से रिकॉर्ड तलब किया। जिसका टीम सत्यापन करेगी और एनजीटी में दायर याचिका में लगाए गए आरोपों की जांच की रिपोर्ट एनजीटी कोर्ट में पेश करेगी। 6 सप्ताह में रिपोर्ट सौंपनी है। एनजीटी की ओर से गठित टीम बुधवार सुबह पहले जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां कलेक्टर से मुलाकात के बाद टीम कुन्हाड़ी स्तिथ रिवर फ्रंट के वेस्ट घाट पर निरीक्षण करने पहुंची। टीम में जयपुर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के रीजनल ऑफिसर,जैव विविधता बोर्ड के मेंबर,कोटा एडीएम सिटी और इरिगेशन विभाग के एसई को शामिल किया गया।

कॉमर्शियल एक्टिविटी का आरोप

कोटा में चंबल नदी पर 1400 करोड़ की लागत से चंबल रिवर फ्रंट का निर्माण किया गया है। इसके निर्माण में नियमों के उल्लंघन और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। अजमेर निवासी अशोक मलिक और द्रुपद मलिक ने एक याचिका एनजीटी में दायर करते हुए आरोप लगाया था कि रिवर फ्रंट का कंस्ट्रक्शन घड़ियाल अभयारण्य इलाके में हुआ है। साथ ही नदी के किनारों पर कॉमर्शियल एक्टिविटी की जा रही है जो पूरी तरह अवैध है। इसके लिए कोटा यूआईटी ने कोई परमिशन भी नहीं ली। न ही पर्यावरण स्वीकृति हासिल की गई है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि ये पूरी तरह वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन है। वहीं इस मामले को लेकर भाजपा के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने भी रोप लगाया था कि रिवर फ्रंट पर किया गया निर्माण गैर कानूनी है। अब सबकी निगाहें एनजीटी की टीम की रिपोर्ट पर है।

इन बिंदुओं को लेकर चल रही जांच

एनजीटी की टीम ने इस मामले में संबंधित विभागों से रिपोर्ट मांगी है। कमेटी के सदस्य ने बताया कि कमेटी देख रही है कि यहां पर्यावरण, फॉरेस्ट और वॉटर रिसोर्सेस का क्या-क्या एंगल, संबंधित क्वेरी और बिंदु हो सकते हैं। इसके बाद जल संसाधन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण मंडल और फॉरेस्ट विभाग के साथ-साथ नगर विकास न्यास से भी रिकॉर्ड मंगवाया गया है। यहां पहले क्या स्थिति थी और बाद में क्या किया गया है?

बीमा कंपनी के मैनेजर का शव नहर में मिला

बेधड़क | कोटा

कोटा के बोरखेड़ा थाना इलाके में इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजर का शव उम्मेदगंज नहर में मिला है। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बोरखेडा थाने के एएसआई बृजलाल ने बताया कि त्रिवेणी आवास निवासी राजन मेहता एक निजी इंश्योरेंस कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे।

वह रोज मॉर्निंग वॉक के लिए जाते थे। आठ नवंबर को भी वह मॉर्निंग वॉक के लिए गए थे, लेकिन वापस घर नहीं लौटे। घरवालों ने उन्हें तलाश किया लेकिन कुछ पता नहीं लगा। इसके बाद घरवालों ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। पुलिस भी तलाश में जुटी थी। इसी दौरान गुरुवार शाम को उम्मेदगंज नहर में एक शव होने की सूचना मिली। इस पर नगर निगम के गोताखोर मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला।

पुलिस ने राजन के घरवालों को भी सूचना दी, मौके पर पहुंचे परिजन ने शिनाख्त की। शव राजन का होने के बाद शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया।

पुलिस का कहना है कि मौत हादसे के चलते ही हुई है। माना जा रहा है कि मॉर्निंग वॉक के दौरान वह नहर की दीवार पर बैठे हों और इस दौरान अनियंत्रित होकर नीचे गिर गए। वह रोज नहर किनारे बैठा करते थे।

चुनावी पोळ

जगमग जोत दिवाळी की,
लोकतंतर रो उजास ।
वोटां की धनतेरस करज्यो,
रामा श्यामा री आस।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | प्रदेश के 199 विधायकों का औसत चुनावी खर्च 13.33 लाख रुपए

तय सीमा का आधा पैसा खर्च कर विधायक बन गए 54 फीसदी नेता

बेधड़क | जयपुर

क्या आप ये मानेंगे कि हमारे मौजूदा विधायकों में से आधे से अधिक विधायकों ने निर्धारित चुनाव खर्च सीमा के आधे से भी कम धन खर्च करके चुनाव जीत लिया था। विधायकों की ओर से दाखिल चुनाव खर्च के आंकड़े तो कुछ यही बयान करते हैं। प्रदेश के चुनावों में प्रचार का शोर लगातार तेज होता जा रहा है। चुनाव लड़ना और जीतना एक बेहद खर्चीला काम माना जाता है। आम आदमी चुनावों के भारी भरकम खर्च के कारण चुनाव लड़ने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रत्याशियों की ओर से किए जाने वाले अंधाधुंध खर्च को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग ने अलग-अलग चुनावों के लिए अलग-अलग चुनाव खर्च सीमा निर्धारित की है। साथ ही अवैध रूप से इधर-उधर की जाने वाली नकदी की धरपकड़ सहित कई प्रकार की कार्रवाइयां की जाती हैं जिससे चुनावों में धन के दुरुपयोग को रोका जा सके।

ये तो हुई सामान्य ज्ञान की बात। लेकिन अगर प्रदेश के पिछले चुनावों के बाद निर्वाचित विधायकों की और से घोषित चुनाव खर्च पर नजर डालें तो सामने आता है कि कुल 199 विधायकों में से 108 यानि 54 प्रतिशत विधायकों ने विधायक का चुनाव चुनाव खर्च सीमा की आधी से भी कम रकम खर्च कर जीत लिया था। कुल 199 विधायकों का औसत चुनाव खर्च 13.33 लाख रुपए है जो निर्धारित खर्च सीमा का महज 48% है।

दलों के अनुसार बात करें तो कांग्रेस के 99 विधायकों ने सबसे महंगा चुनाव लड़ा था। इनका औसत चुनाव खर्च 14.26 लाख है जो निर्धारित सीमा का 50.9 प्रतिशत है। भाजपा के 73 विधायकों का औसत खर्च 13.46 लाख रुपए है जो खर्च सीमा का 48.1 प्रतिशत है। बात करें सबसे ज्यादा खर्च करने वाले विधायक की तो नावां विधायक महेन्द्र चौधरी, पिण्डवाड़ा आबू विधायक समाराम गरासिया और प्रतापगढ़ विधायक रामलाल ने खर्च सीमा का 91 प्रतिशत धन खर्च किया है जो 25 लाख रुपए से अधिक है। सागवाड़ा विधायक रामप्रसाद महज 8% यानि 2 लाख 37 हजार रुपए खर्च करके विधायक बन गए। श्रीमाधोपुर विधायक दीपेन्द्र सिंह, और मेड़ता विधायक इंदिरा देवी का कुल चुनाव खर्च 3 लाख रुपए से कुछ अधिक है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता सर्वाधिक खर्चीले

कार्यकर्ताओं की ओर से किए जाने वाले खर्च के मामले में कांग्रेस सबसे आगे रही। कांग्रेस के 99 विधायकों की ओर से की गई घोषणाओं में बताया गया है कि उनके कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया औसत खर्च 1 लाख 54 हजार रुपए है। भाजपा का इसी मद का औसत खर्च 93 हजार रुपए है। बीटीपी, सीपीआईएम और आरएलडी के कार्यकर्ताओं ने खुद बिना कोई खर्च किए अपने विधायकों को चुनाव जितवा दिए।

स्टार प्रचारकों पर सर्वाधिक खर्च

137 विधायकों ने घोषणा की है कि उन्होंने स्टार प्रचारकों के साथ सभाओं, जुलूस, बैठक आदि में धन खर्च किया है। इनमें सर्वाधिक खर्च भाजपा विधायकों का है जो औसतन 3 लाख 69 हजार रुपए है। कांग्रेस विधायकों का यह खर्च 1 लाख 38 हजार रुपए है। सभी 199 विधायकों की बात करें तो यह औसत 2 लाख 8 हजार रुपए है। बिना स्टार प्रचारकों की सभा, जुलूस या बैठकों में खर्च के मामले में जाहिर तौर पर तीसरे मोर्चे की पार्टियों के व निर्दलीय विधायक आगे हैं।

चुनाव सामग्री पर खर्च में कांग्रेस आगे

कांग्रेस के 99 विधायकों ने चुनाव अभियान सामग्री पर औसतन सर्वाधिक 1.74 लाख रुपए खर्च किए। भाजपा विधायकों का चुनाव अभियान सामग्री पर औसत खर्च 1 लाख 58 हजार रुपए है। सभी पार्टियों का औसत देखें तो यह 13 लाख 33 हजार रुपए है जो कि तय खर्च सीमा का 12 प्रतिशत है।

वाहनों पर निर्दलीयों का सर्वाधिक खर्च

चुनाव प्रचार में काम लिए गए वाहनों पर 13 निर्दलीय विधायकों ने औसतन 3 लाख 61 हजार रुपए खर्च किए। कांग्रेस विधायकों का वाहनों पर औसत खर्च 3 लाख 13 हजार रुपए व भाजपा विधायकों का औसत खर्च 2 लाख 21 हजार रुपए है। सभी पार्टियों का औसत खर्च 2 लाख 79 हजार रुपए है।

ये है पार्टी विधायकों का औसत खर्च

पार्टी	औसत खर्च	खर्च सीमा का %
कांग्रेस	14 लाख +	50.9
आरएलडी	14 लाख +	50.4
भाजपा	13 लाख +	48.1
सीपीआई(एम)	12 लाख +	44.2
निर्दलीय	10 लाख +	36.3
रालोपा	9 लाख +	34.9
बीटीपी	8 लाख +	29.4
बसपा	6 लाख +	24.3

इनका चुनाव खर्च सर्वाधिक

विधायक	चुनाव खर्च
महेन्द्र चौधरी	25 लाख +
समाराम गरासिया	25 लाख +
रामलाल	25 लाख +
संतोष	24 लाख +
गंगादेवी	24 लाख +
गौतम लाल	24 लाख +
ममता भूपेश	24 लाख +
किशनाराम विश्नोई	23 लाख +
कैलाश मेघवाल	23 लाख +
कृष्णा पूनियां	22 लाख +

इनका चुनाव खर्च सबसे कम

विधायक	चुनाव खर्च
रामप्रसाद	2 लाख +
दीपेन्द्र सिंह	3 लाख +
इंदिरा देवी	3 लाख +
जौहरी लाल	3 लाख +
संदीप कुमार	4 लाख +
शकुंतला रावत	5 लाख +
मंजू देवी	5 लाख +
राजेन्द्र गुढा	5 लाख +
रामकेश मीणा	5 लाख +
बलजीत यादव	5 लाख +

बिहाइंड | द कर्टेन

आतिशबाजी पर भारी राजनीतिक गोलाबारी

महापर्व आपकी दहलीज पर खड़े हैं। सबसे पहले दीपावली। फिर लोकतंत्र का महापर्व चुनाव। पर्व शब्द हमें सांस्कृतिक विरासत का अहसास कराते हैं। पर राजनीतिक दल चुनाव लड़ते और लड़वाते हैं। तो एक तरफ आतिशबाजी के धमाके, दूसरी तरफ भाषणों में राजनीतिक गोलाबारी। विचारधारा की लड़ाई व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल रही है। अखबारों में चुनावी खबरों की भाषा किसी जंग का अहसास करा रही है। बागी, बगावत, गद्दार, भितरघात, टक्कर, गुटबाजी, कलह जैसे शब्दों की भरमार। नेताओं के भाषण को कभी शंखनाद तो कभी जबानी हमले की उपमा दी जा रही है। प्रतिद्वंद्वी को डकैत, धोखेबाज, घोटालेबाज, व्यभिचारी, भ्रष्ट बताया जा रहा है। कोई अपनी ही प्रशंसा में आत्ममुग्ध है। ये सब ऐसे ही चलता रहेगा। फिलहाल तो नाम वापसी के बाद की तस्वीर सामने है। बागी होकर लट्ठ रोपने वाले कई नेता पीछे हट गए। अब समर्थकों के सामने कुछ तो बहाना चाहिए। तो कह रहे हैं 'बॉस' का फोन आ गया था। अब उनकी बात कैसे टालें। बड़े-बड़े नेताओं ने जोर लगाया था। फिर भी कई बागियों को मैनेज नहीं कर पाए। आधी से कुछ कम सीटों पर दो से अधिक मजबूत उम्मीदवार मैदान में हैं। स्वाभिमान का संघर्ष बता रहे हैं। कुछ के पर्चे खारिज हो गए। उनकी पीड़ा का अंदाजा नहीं लगा सकते। एक तो टॉवर पर चढ़ गया। अस्सी सीटों में से कितनी के परिणाम पता नहीं किसके समीकरण बिगाड़ेंगे। त्रिकोणीय, चतुष्कोणीय और पंचकोणीय मुकाबले होने वाले हैं। ओपिनियन पोल देखें तो मुकाबला कांटे का बता रहे हैं। सट्टा बाजार में एकतरफा जीत पर भाव लग रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि बागियों और निर्दलीयों की पौबारह होने वाली है। एक-दो ने तो पहले ही संकेत दे दिए हैं कि जीते तो हम ही बैठेंगे गद्दी पर। कुछ ऐसे हैं जिन्हें जनता बिठाना चाहती है। पर उनकी पार्टी के कर्ताधर्ता पता नहीं किसे बिठाना चाहते हैं। पता नहीं जनता को क्या समझते हैं। अभी किसी का नाम तय नहीं किया है। कायदा तो यह है कि चुने हुए जनप्रतिनिधि अपना नेता चुन लें। लेकिन ऐसा होता नहीं है। तो सब लगे हुए हैं अपनी-अपनी गोटियां फिट करने में। चुनाव के बाद फाइव स्टार होटलों में बाड़ाबंदी स्थाई फीचर बन गया है। नतीजे के बाद की परिस्थिति टफ होने वाली है। रिपीट हो तब भी और बदलाव के बाद भी। ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है।

■ यायावर

ई | वॉर

Rajasthan PCC reposted
Rahul Gandhi @RahulGandhi
जितना पैसा मोदी जी अडानी और बड़े अरबपतियों को दे रहे हैं, कांग्रेस की सरकार उतना पैसा सबसे गरीब लोगों की जेब में डालेगी, और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करेगी।

C. P. Joshi @cpjoshiBJP
राजस्थान में अब तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त होने का समय आ गया है। मंदिर तोड़ने और भगवा झंडे पर रोक लगाने वाली सरकार की विदाई होने वाली है। हम इस वर्ष तीन दीपावली मनाएंगे।

थड़ी | पॉलीटिक्स

अभी रुको, अभी तो तेल देखो, तेल की धार देखो

स्थान लालकोठी | **समय** शाम 7:15 बजे

जयपुर

एक कहावत है। तेल देखो, तेल की धार देखो। सही है कि सब कुछ समय पर सामने आ जाएगा लेकिन फिर भी इतने बड़े मुकाबले के रिजल्ट से पहले की बेकरारी से कोई बच नहीं सकता। मामला चुनाव का है तो जनता की नब्ज को समझना जरूरी है। चुनाव के दिन ईवीएम में दर्ज होने वाला हर वोट किस नेता के खाते में जाएगा ये एक दिन में तय नहीं होगा। पांच साल में जो देखा है, जो मिला है और जो नहीं मिला है, इन सबके आधार पर तैयार हुआ वोट चुनाव के दिन किसी की किस्मत में सत्ता तो किसी की किस्मत में इंतजार लिखेगा। तो, चुनावी माहौल गर्मागर्म चल रहा है। कहीं भी चार लोग जुटे कि चुनाव की चर्चा शुरू हो जाती है। नेताओं से कभी किसी को क्या मिला है सब जानते हैं, पर नेताजी के नाम पर, पार्टी के नाम पर भावनाओं का एक ज्वार लोगों के भीतर है जो मौका देखते ही बाहर उछालें मारने लगता है। लोग अपने नेता के समर्थन में और विरोधी के विरोध में जमकर तर्क करते हैं, चाहे उनका नेता उन्हें शक्ल से पहचानता ही ना हो। साफ है, चुनाव हमारे लिए एक त्योहार है। तो इस त्योहार के माहौल का जायजा लेने हम पहुंचे लालकोठी स्थित एक चाय की स्टॉल पर। यहां शाम की सर्द हवाओं के बीच चाय की चुस्कियां ले रही युवाओं की टोलियों में गपशप का माहौल था। एक टोली में से किसी ने बात शुरू की- "जब बैठना ही था तो खड़ा होना क्या जरूरी था। और जो लोग मना रहे थे उनकी बात पहले ही मान लेते तो कौनसी आफत आ जाती। बोलते हैं कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान की लड़ाई है। यार हद हो गई इन नेताओं की तो।" मजेदार टॉपिक चला तो सामने से बात को आगे बढ़ाया गया- "भाई, सब फील्डिंग सेट कर रहे हैं। जैसे कोई बच्चा जिद करके मां-बाप से चॉकलेट दिलाने का प्रॉमिस ले लेता है, ये भी अपना जोर दिखाकर सरकार आने के बाद कहीं सैट होने का प्रॉमिस ले रहे हैं। पता इनको भी है कि अगर अड़े रहेंगे तो फायदे से ज्यादा तो नुकसान के चांस हैं।" बात में दम था। तभी तो सामने बैठे तीनों दोस्तों के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। एक ने चर्चा को समेटने के लिहाज से कहा-"अभी तो देखते जाओ, ये जो कहीं सेट होने का प्रॉमिस ले रहे हैं, हो सकता है इनकी पार्टी को ही सीटों के टोटे पड़ जाएं। और जो टिकट लेकर इतरा रहे हैं, हो सकता है जनता उनको ही साइड में बिठा दे। अभी तो तेल देखो, तेल की धार देखो।" और इसी के साथ चाय का आखिरी घूंट और ठहाकों के साथ चर्चा समाप्त हुई।

पॉली | क्लिक्स

नेताओं के चुनावी दौरे और दौरों में जनता से जुड़ने की कोशिशें जारी हैं। झोटवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अपने क्षेत्र में दौरे के दौरान एक युवती से राखी बंधवाई।

पॉली | टून

चुनावी | इतिहास के झरोखे से

जोड़-तोड़ से बनी सुखाड़िया सरकार में शुरू हुई थी संसदीय सचिव बनाने की परम्परा

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

दो बार राज्यसभा सदस्य बने बरकतुल्ला खां के मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की कहानी भी दिलचस्प है। इसकी शुरुआत जोधपुर से होती है। द्वितीय आम चुनाव वर्ष 1957 में वह जोधपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में प्रथम बार निर्वाचित हुए।

उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी के हरीकिशन व्यास को 4687 मतों के अंतर से हराया। बरकतुल्ला खां को कुल 9150 वोट मिले जो वैध मतदान का 42.93 प्रतिशत था। व्यास को 4463 वोट मिले। वर्ष 1962 के तृतीय आम चुनाव में बरकतुल्ला खां ने भारतीय जनसंघ के गुमानमल लोढा को 3057 मतों के अंतर से पराजित किया। उन्हें वैध मतों के 36.53 प्रतिशत के रूप में कुल 9964 वोट मिले। वर्ष 1967 के चुनाव में उनका गुमानमल लोढा से पुनः मुकाबला हुआ। इस कड़े संघर्ष में बरकतुल्ला खां को मात्र 550 वोटों से सफलता मिली। गुमानमल लोढ़ा के 17531 मतों की तुलना में उन्हें कुल 17977 वोट मिले। लेकिन अगले चुनाव में लोढ़ा ने बरकतुल्ला खां के भाई लियाकतुल्ला खां को 2830 मतों से पराजित कर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया।

तृतीय विधानसभा के चुनाव के पश्चात मोहनलाल सुखाड़िया पुनः सर्वसम्मति से कांग्रेस विधायक दल के नेता निर्वाचित हुए। नए मंत्रिमंडल ने 12 मार्च 1962 को शपथ ली। प्रथम बार बरकतुल्ला खां को मंत्री पद मिला। लेकिन चौथी विधानसभा में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। विपक्षी दलों ने संयुक्त मोर्चा बनाकर बहुमत का दावा किया। इस जद्दोजहद में 7 मार्च 1967 को जौहरी बाजार के गोलीकाण्ड तथा राष्ट्रपति शासन लागू करने की कहानी का अंत 28 अप्रैल 1967 को सुखाड़िया मंत्रिमण्डल की शपथ के रूप में सामने आया। बरकतुल्ला भी मंत्रिमंडल में सम्मिलित किए गए।

तत्कालीन मुख्यमंत्री सुखाड़िया के लिए शासन सत्ता की यह पारी गले की फांस बन गई। पहला तो चुनाव में स्पष्ट बहुमत नहीं मिलना। फिर जोड़-तोड़ से सरकार बनना। मंत्रिमंडल का बार-बार विस्तार। प्रदेश में प्रथम बार मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री पद का सृजन हुआ। इससे पहले सीधे केबीनेट मंत्री और उपमंत्री नियुक्त किए जाते थे। पहली बार ही पांच संसदीय सचिव भी बनाए गए। लेकिन सिकराय से निर्वाचित किशनलाल मीना ने शपथ नहीं ली। यह तारीख थी 22 अक्टूबर 1967, बाद में चारों संसदीय सचिव उपमंत्री बनाए गए।

मुख्यमंत्री बनने के डेढ़ वर्ष बाद पद पर रहते हुआ था 'प्यारे मियां' का निधन

अभी चतुर्थ विधानसभा का कार्यकाल समाप्त नहीं हुआ था। मार्च 1977 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव सम्पन्न हुए। अप्रत्याशित रूप से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्देश पर सुखाड़िया मंत्रिमंडल का 8 जुलाई 1971 को त्यागपत्र हो गया। विदेश से लौटे बरकतुल्ला खां ने अगले दिन मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पांचवीं विधानसभा में तिजारा से निर्वाचित बरकतुल्ला खां विधायक दल के पुन: नेता चुने गए तथा 16 मार्च 1972 को मंत्रिमंडल ने शपथ ली। उनका 11 अक्टूबर 1973 को आकस्मिक निधन होने पर उसी दिन हरिदेव जोशी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। अपने मित्रों में 'प्यारे मियां' कहे जाने वाले बरकतुल्ला को जोधपुर में सुपुर्दे खाक किया गया।

दीपोत्सव: यम देवता की पूजा करने से सभी पाप हो जाते हैं नष्ट

अक्षम्य पाप से मुक्ति दिलाता है नरक चतुर्दशी का व्रत

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

ॐ यमाय नमः, ॐ धर्मराजाय नमः, ॐ मृत्यवे नमः
ॐ अंतकाय नमः, ॐ वैवस्वताय नमः, ॐ कालाय नमः
ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः, ॐ औदुम्बराय नमः
ॐ दधाय नमः, ॐ नीलाय नमः, ॐ परमेष्ठिने नमः,
ॐ वृकोदराय नमः, ॐ चित्राय नमः,ॐ चित्रगुप्ताय नमः।।
इन सभी देवताओं का पूजन करके सायंकाल में दीपदान करने का भी विधान है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में नरकासुर राक्षस ने अपनी शक्तियों से देवताओं और ऋषि-मुनियों के साथ सोलह हजार एक सौ कन्याओं को भी बंधक बना लिया था। नरकासुर के अत्याचारों से त्रस्त देवता और साधु-संत भगवान श्री कृष्ण की शरण में गए। नरकासुर को स्त्री द्वारा ही मरने का श्राप था, इसलिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध किया और उसकी कैद से सोलह हजार एक सौ कन्याओं को आजाद कराया। कैद से आजाद करने के बाद समाज में इन कन्याओं को सम्मान दिलाने के लिए श्री कष्ण ने इन सभी कन्याओं से विवाह कर लिया।

मान्यता है कि जब श्रीकृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध किया था, तो वध करने के बाद उन्होंने तेल और उबटन से स्नान किया था। तभी से इस दिन तेल, उबटन लगाकर स्नान की प्रथा शुरू हुई। माना जाता है कि ऐसा करने से नरक से मुक्ति मिलती है और स्वर्ग व सौंदर्य की प्राप्ति होती है। वहीं एक अन्य मान्यता के अनुसार नरकासुर के कब्जे में रहने के कारण सोलह हजार एक सौ कन्याओं के उदार रूप को फिर से कांति श्रीकृष्ण ने प्रदान की ने थी, इसलिए इस दिन महिलाएं तेल के उबटन से स्नान कर सोलह श्रृंगार करती हैं। माना जाता है कि नरक चतुर्दशी के दिन जो महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, उन्हें सौभाग्यवती और सौंदर्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कार्तिक मास की चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्दशी मनाई जाती है। इसे नरक चौदस, रूप चौदस या रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है। दिवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने की वजह से नरक चतुर्दशी को छोटी दिवाली भी कहा जाता है।

नरक चतुर्दशी पर यम का दीपक जलाया जाता है। इस दिन कुल बारह दीपक जलाए जाते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण की उपासना भी की जाती है, क्योंकि इसी दिन उन्होंने नरकासुर का वध किया था। कई जगहों पर ये भी माना जाता है कि आज के दिन हनुमान जी का जन्म हुआ था। अगर आयु या स्वास्थ्य की समस्या हो तो इस दिन किए गए उपाय बहु लाभकारी माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, नरक चतुर्दशी यानी छोटी दिवाली कार्तिक मास की चतुर्दशी तिथि को होती है। चतुर्दशी तिथि का समापन होने पूर्व अभिस्ट कार्य कर लेना चाहिए।

इसलिए चतुर्दशी तिथि बीतने से पहले ही नरक चतुर्दशी की पूजा कर लेना चाहिए। इसके बाद अमावस्या लग जाती है,जिसमें दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। शायद बहुत कम लोग इस दिन के महत्व के बारे में जानते होंगे कि इस चतुर्दशी को नरक चतुदर्शी कहा जाता है। असल में धनतेरस से लेकर दिवाली मनाते हुए भैया दूज तक लगातार पांच पर्व रहते हैं। इस बीच नरक का नाम कौन लेना चाहेगा। भले ही वह चतुर्दशी के साथ आता हो, लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह दिन हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार अपना विशेष महत्व रखता है। एक कहानी कुछ यूं है कि बहुत समय पहले रन्ति देव नामक बहुत धर्मात्मा राजा हुआ करते थे। उन्होंने अपने जीवन में भूलकर भी कोई पाप नहीं किया था। उनके राज्य में प्रजा भी सुख शांति से रहती थी, लेकिन जब राजा की मृत्यु का समय नजदीक आया तो उन्हें लेने के लिए यमदूत आन खड़े हुए। रन्तिदेव यह देखकर हैरान हुए और उनसे विनय करते हुए कहा कि हे दूतों मैंने अपने जीवन में कोई भी पाप नहीं किया है, फिर मुझे यह किस पाप का दंड भुगतना पड़ रहा है, जो आप मुझे लेने आए हैं। क्योंकि आप के आने का सीधा संबंध यही है कि मुझे नरक में वास करना होगा। उसके बाद यमदूतों ने कहा कि राजन वैसे तो आपने अपने जीवन में कोई पाप नहीं किया है, लेकिन एक बार आपसे ऐसा पाप हुआ जिसका आपको भान नहीं है। एक बार एक विद्वान गरीब ब्राह्मण को आपके पथ से भूखा लौट जाना पड़ा था यह उसी कर्म का फल है। राजा को इसके लिए राज पुरोहित ने उपाय बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को व्रत करने से बड़े से बड़ा पाप भी क्षम्य हो जाता है अतः आप चतुर्दशी का विधिपूर्वक व्रत करें और तत्पश्चात ब्राह्मणों को भोजन करवाकर उनसे उनके प्रति हुए अपने अपराध के लिए क्षमा याचना करें। फिर क्या था राजा रन्ति देव को तो बस मार्ग की तलाश थी।

उन्होंने ऋषियों के बताए अनुसार चतुर्दशी का व्रत किया, जिससे वे पापमुक्त हुए और उन्हें विष्णु लोक में स्थान प्राप्त हुआ। तब से लेकर आज तक नरक चतुर्दशी के दिन पापकर्म व नर्क गमन से मुक्ति के लिए कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत किया जाता है।

नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर तिल के तेल से मालिश कर पानी में चिरचिटा अर्थात अपामार्ग या आंधीझाड़ा के पत्ते डालकर स्नान किया जाता है। स्नानादि के बाद विष्णु और कृष्ण मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन कर पूजा की जाती है। ऐसा करने से पाप तो कटते हैं। साथ ही रूप सौंदर्य में भी वृद्धि होती है। इसलिए इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। यम देवता पाप से मुक्त करते हैं। इसलिए यम चतुर्दशी भी इस दिन को कहा जाता है। इस दिन स्नान के दौरान अपामार्ग के पौधे को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए और नीचे दिए गए, मंत्र का जाप कर उसे मस्तक पर घुमाना चाहिए।

सितालोष्ठसमायुक्तं
सकण्टकदलान्वितम्। हर पापमपामार्ग
भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ।।

स्नानोपरांत स्वच्छ वस्त्र धारण कर तिलक लगाकर दक्षिण दिशा में मुख कर तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। इसे यम तर्पण कहा जाता है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। यह तर्पण विशेष रूप से सभी पुरुषों द्वारा किया जाता है। चाहे उनके माता-पिता जीवित हों या गुजर चुके हों।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वीर निर्वाण संवत् 2550 की शुरुआत

महावीर के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक

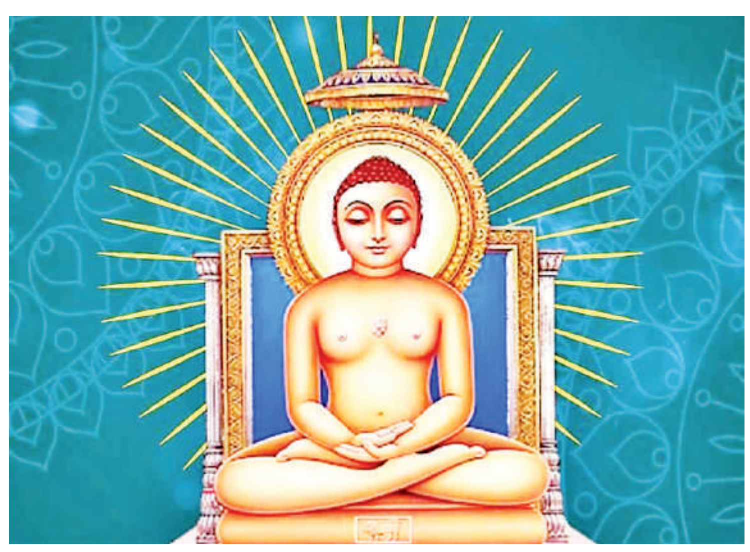

भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

> *हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जैसे कि कुछ मानव मूक पशु-पक्षियों को मारकर खाना अपना अधिकार समझते हैं। यदि ऐसा है तो मानव अपने से निर्बल व्यक्ति को अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए मारने में एवं एक शक्तिशाली देश अपने से कमजोर देश को नष्ट करने मे नहीं हिचकिचाएगा और ये सिलसिला चलता रहेगा। इसका अंत अन्ततः सृष्टि के विनाश के रूप में होगा, लेकिन महावीर ने सह अस्तित्व की अवधारणा को जन्म देकर इस सृष्टि को विनाश मार्ग पर जाने से बचा लिया, क्योंकि वर्तमान मे बहुत से लोग भगवान महावीर के सिद्धांतों की येन-केन प्रकारेण पालन करते हैं। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन खुशहाल हो सकता है, यही सत्य है।*

जैन धर्म अनादि, अनंत, शास्वत धर्म है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अंतिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है। भगवान महावीर का जन्म 599 ई.पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर-वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिशला था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था। विभिन्न विशेष क्रियाओं एवं उत्कृष्ट कृत्यों के कारण इन्हें वीर, अतिवीर, सन्मति नामों से भी जाना जाने लगा।

भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में मार्गशीर्ष कृष्णा दशमी के दिन गृह त्याग दिया और मुनि स्वरूप गृहण कर लिया था। इसके पश्चात लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्य भाव की साधना करने के साथ ही पंचमहाव्रत आत्मसात किया। तदुपरान्त 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पद विहार कर महावीर स्वामी ने संत्रस्त मानवता के कल्याण के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य धर्म को आमजन में प्रसारित किया। कार्तिक की अमावस्या के दिन पावापुरी में ईसा से 527 वर्ष पूर्व महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ।

इससे दो दिन पूर्व कार्तिक कृष्णा तेरस को तीर्थंकर भगवान महावीर के समवशरण में अंतिम धर्मोपदेश हुए थे और समावशरण विसर्जन उपरांत अपनी सांसारिक भवों-भवों के बंधनों को छेदने के लिए वर्तमान के जल मंदिर पावापुरी में योग निरोध धारण किया था। इस कारण यह कार्तिक कृष्णा तेरस धन्य हो गई। इस हुंडावसर्पिणी काल के 24वें अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सूक्ष्म क्रिया प्रतिपाती और व्युपरत क्रिया निवृत्ति शुक्ल ध्यान में लीन होकर चौदहवें गुणस्थान के अंतिम दो समयों में अपनी शेष अष्ट कर्म प्रकृतियों का क्षय कर मोक्ष प्राप्ति के लिए ध्यानस्त हुए थे। यह धन्य तेरस है, लेकिन समय के साथ हम श्रमण संस्कृति के अनुयायी-वर्तमान में जैन धर्मावलंबी भी अब इसे धनतेरस कहने लग गए हैं। इस पर्व का धन अर्थ से दूर-दूर तक का कोई संबंध नहीं है।

इसी तरह चतुर्दशी भी नरक चौदस नहीं है। इस दिन भगवान महावीर की दिव्यध्वनि भले ही सुनने को नहीं मिली तथापि रूप के दर्शन अंतिम बार हुए थे। अतः यह रूप चतुर्दशी कहलाती है। पावापुरी के पद्म सरोवर पर योग की प्रवृत्ति को संकुचित करते हुए कार्तिक कृष्णा अमावस्या की प्रत्यूष बेला में, शेष चार अघातिया कर्मों के बंधन से छूटकर अष्टम भूमि सिद्धशिला अर्थात लोकाग्र पर जा विराजमान हुए। भगवान महावीर के निर्वाण उपरांत सौधर्म इंद्र सहित सभी देवों ने उनके निर्वाण की पूजाकर महान उत्सव मनाया, जिसके परिणामस्वरूप इस भारत भूमि पर प्रत्येक कार्तिक माह की अमावस्या को प्रातः काल तीर्थ भूमियों, सिद्ध भूमियों, अतिशय क्षेत्रों एवं अपने-अपने जिनालय में प्रभु की पूजन भक्ति कर सभी निर्वाण भूमियों और निर्वाण प्राप्त आत्माओं को याद कर निर्वाण लड्डू चढ़ाते हैं। साथ ही अपनी खुशी का विस्तार करते हुए परस्पर सौहार्द वात्सल्य स्वरूप धर्म की ज्योति का प्रकाशन करते हैं।

इसी दिन अमावस्या की काली रात होने पर भी गोधूलि बेला में भगवान महावीर स्वामी के प्रथम गणधर इंद्रभूमि गौतम स्वामी को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। तब सौधर्म आदि सभी देवों की प्रार्थना पर केवलज्ञानी गौतम ने दिव्य ज्ञान प्रदान किया और सभी के अंतःकरण में विराजमान अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हुए सम्यक ज्ञान का प्रकाश प्रज्वलित किया। अब हम प्रतीकात्मक रूप में मिट्टी के छोटे-छोटे दीपक जलाकर अंधकार दूर कर प्रकाश प्रज्वलित करते हैं और दीपावली के नाम से उत्सव मनाते हैं। जैन धर्मावलंबियों द्वारा गोधूलि बेला में की जाने वाली पूजन लक्ष्मी धन लक्ष्मी की नहीं अपितु केवल ज्ञान रूपी लक्ष्मी की प्रतीक होती है। दीपावली का पूजन भी लक्ष्मी के रूप में निषेध है। हम यदि पूजते हैं तो मोक्ष लक्ष्मी के रूप में पूजते ना कि धन लक्ष्मी के रूप में। सरस्वती को पूजते हैं तो केवलज्ञान को पूजते हैं। निर्वाण लाडू एवं दीपमालिका भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक तथा गौतम गणधर के केवलज्ञान की भक्ति-पूजा का उत्सव है।

दीपावली अहिंसा का पर्व है। आतिशबाजी, बारूद, पटाखे चलाना निषेध है। भगवान महावीर एक विलक्षण संपूर्ण जीवन दृष्टा थे। उन्होंने कर्म सिद्धांत को अपनाया, कर्म करने पर ज़ोर दिया। यह संदेश दिया कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। इस तरह ईश्वर की सत्ता की जगह हम सब में ईश्वर बनने की क्षमता का संचार किया। यह संदेश दिया कि हमारे सुख- दुख के लिए हम स्वयं ज़िम्मेदार है। हमारे द्वारा किए गए कर्मों का फल हमें स्वयं ही भोगना है। भगवान महावीर के सिद्धांतों में से वर्तमान परिपेक्ष में अहिंसा, अनेकांतवाद व अपरिग्रह की विशेष उपयोगिता है। भगवान महावीर ने अहिंसा के सूक्ष्म से सूक्ष्म रूप का व्यापक विश्लेषण किया है। अहिंसा को जीवन शुद्धि का आधार बताया है। जीवों के परस्पर उपकार होते हैं। सभी जीव एक दूसरे पर आश्रित है। किसी के प्रति मन मे बुरे विचार आना, बदले की भावना से सोचना आदि को भी हिंसा की श्रेणी मे माना गया। विचारों से ही हमारी मनस्थिति विकसित होती है एवं तदनुसार हम प्रतिक्रिया देते हैं। सभी को जीने का अधिकार है। इस संसार में सभी प्राणी किसी न किसी तरह से एक दूसरे से शक्तिशाली हैं, जैसे कि कोरोना एक सूक्ष्म वायरस था, लेकिन शक्तिशाली रूप में प्रकट हुआ एवं दो वर्ष तक मौत का तांडव किया। शांतिपूर्ण जीवन के लिए अहिंसात्मक आचरण की आवश्यकता है। यदि संसार के तथाकथित शक्ति के केंद्र जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के ऊपरी आवरण का भी पालन कर लें या समझ भी लें तो रूस एवं यूक्रेन, चीन एवं ताईवान, फिलिस्तीन (हमास) एवं इजराइल आदि देशों के बीच जारी भीषण विभित्सिका को रोका जा सकता है। युद्ध का अंत अवश्यंभावी है, लेकिन अहिंसा से ही संभव है। अहिंसा पालन जैन धर्म का एकाधिकार नहीं है, लेकिन मार्ग दर्शक जरूर है। सभी को अहिंसा के मार्ग पर आना होगा, इसके बिना और कोई दूसरा उपाय नहीं है। हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जैसे कि कुछ मानव मूक पशु-पक्षियों को मारकर खाना अपना अधिकार समझते हैं। यदि ऐसा है तो मानव अपने से निर्बल व्यक्ति को अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए मारने में एवं एक शक्तिशाली देश अपने से कमजोर देश को नष्ट करने मे नहीं हिचकिचाएगा और ये सिलसिला चलता रहेगा। इसका अंत अन्ततः सृष्टि के विनाश के रूप में होगा, लेकिन महावीर ने सह अस्तित्व की अवधारणा को जन्म देकर इस सृष्टि को विनाश मार्ग पर जाने से बचा लिया, क्योंकि वर्तमान में बहुत से लोग भगवान महावीर के सिद्धान्तों की येन-केन प्रकारेण पालन करते हैं। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन खुशहाल हो सकता है, यही सत्य है।

मन, वचन और कर्म से अहिंसा को आत्मसात करने का संदेश समाज में स्थाई शांति के लिए महत्वपूर्ण है। भगवान महावीर ने किसी और पर विजय प्राप्त करने की बजाय, जिसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है, स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी। दूसरों का बुरा चाहकर कोई भी अपना भला नहीं कर सकता है। भगवान महावीर की अहिंसा के अमोघ हथियार को महात्मा गांधी ने अपनाया और भारत को शक्तिशाली अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया। कोरोना काल ने महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता सर्व सिद्ध कर दी है।

तीर्थंकर महावीर ने हमें अनेकांतवाद का दर्शन दिया। अनेकांत दृष्टि हमें सहिष्णु बनाती है, जीओ और जीने दो या सह अस्तित्व का उदार भाव प्रदान करती है। भगवान महावीर के अनुसार सबसे बड़ी बुराई वैचारिक मतभेद की है और आज दुनिया इसी कारण संघर्ष कर रही है। वैचारिक मतभेद अनेक समस्याओं की जड़ है। महावीर ने मताग्रह छोड़ने एवं विचारों में समानता तथा सहिष्णुता पैदा करने पर बल दिया। अनेकांत का अर्थ है वस्तु को अनेक गुणों या धर्मों में देखना। अनेकेअन्ताः धर्म्मः यस्मिन् स अनेकांत। महावीर ने कहा कि वस्तु के अनंत धर्मों और पर्यायों को अनन्त चक्षुओं से देखो, किसी एक कोण से नहीं। अनेकांत का सिद्धान्त पारस्परिक सौहार्द को बढ़ाता है, मनमुटाव, द्वेष व जलन को दूर करता है। इस सिद्धांत को अपनाने से स्वयं, परिवार, समाज, देश व संपूर्ण विश्व में वैचारिक आतंकवाद का खात्मा किया जा सकता है। यह अवधारणा सभी समस्याओं का समाधान प्रदान करती है। भगवान महावीर अपरिग्रह का सिद्धांत सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन करना सिखाता है। अधिक संपत्ति एकत्र करने के लिए हिंसा, झूठ, चोरी तथा कुशील का सहारा लेना पड़ता है। तनाव, चिंता और बीमारियों की जड़ परिग्रह है। यहां तक कहा गया है कि दान देने के लिए भी संग्रह नहीं करना चाहिए। अतः धन-धान्यादि वस्तुओं की सीमा निश्चित करना तथा उनमें भी कम आसक्ति रखना ही अपरिग्रहाणुव्रत है। हमारे पास आवश्यकता से अधिक संग्रह का जरूरतमंदों की अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति में कर सकते हैं। अपरिग्रह का सिद्धांत तो यही कहता है। जैन दर्शन एक नया चिंतन देता है। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र तीनों सही रूप में जीवन में उतारेंगे, तभी जीवन की सार्थकता होगी और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होगा। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति की दिशा में इन सिद्धांतों का प्रयोग किया। उन्होंने स्त्रियों के उत्थान के लिए दासता, सामाजिक समता, समान दर्जा आदि के लिए शुरुआत की। वर्तमान में महिला सशक्तीकरण के साथ स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जनसंख्या नियंत्रण जैसे अभियानों के संदर्भ में भगवान महावीर के सिद्धांत और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। भूकंप, सुनामी, आतंकवाद, हिंसा, जातिवाद, लिंगभेद आदि बुराइयों पर काबू पाने के लिए महावीर के सिद्धांत सार्थकता लिए हुए हैं। यद्यपि भगवान महावीर ने ईसा से 599-527 वर्ष पूर्व लोगों के जीवन दर्शन की राह दिखलाई थी तथापि लगभग 2600 वर्ष पश्चात भी उनके बताए सिद्धांत पूर्णतः प्रासंगिक हैं। कल-आज और कल हर समय प्रासंगिक हैं।

कोरोना काल में महावीर के सिद्धांत व जैन जीवन शैली पूर्णतया कारगर साबित हुई। जीओ और जीने दो- जिसमें मांसाहार का निषेध है- यदि हम सबने शाकाहार को अपनाया होता तो कोरोना की उत्पत्ति ही नहीं होती। सवेरे सूर्योदय से पहले उठना, गरम पानी पीना, योग-ध्यान करना- आध्यात्म में मन लगाना, शुद्ध व सात्विक भोजन करना, रास्ते में नहीं थूकना- जैन साधुओं को थूकने का त्याग होता है, अनुशासित जीवन जीना, वृक्षारोपण करना सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण नहीं करना आदि जैन जीवन शैली के अंग है। जैन धर्म केवल जैनियों का ही धर्म नहीं है, जैन धर्म के सिद्धांतों की पालना करके कोई भी जैन बन सकता है एवं अपना जीवन सार्थक कर सकता है। ज्ञात रहे कि बहुत से जैन मुनि ब्राह्मण, राजपूत आदि अन्य धर्मों के मानने वाले रहे हैं। सभी जैन तीर्थंकर राज घरानों से संबंधित रहे हैं। क्या किसी भी जीव को सताए बिना, मारे बिना, लड़ाई किए बिना कोई वीर, अतिवीर, सन्मति वीर एवं महावीर बन सकता है? जी, हां महावीर के प्रतिपादित सिद्धांत एवं महावीर के जीवन से यही प्रेरणा मिलती है। जीओ और जीने दो, अहिंसा परमो धर्मः, परस्परोप ग्रहो जीवानाम् की अवधारणा को जन मानस द्वारा आत्म निर्भर सात करना है। विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करने का एक मात्र उपाय महावीर के बताए पथ पर आगे बढ़ना है। धरती पर स्वर्गमय सुख की अनुभूति प्राप्त करने का एक सरल उपाय हमारे स्वयं के पास ही है। आइए आज दीपावली भगवान महावीर का 2550वां निर्वाण महोत्सव बिना किसी आडंबर के अहिंसा का पालन करते हुए मनाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

मेरा मत, मेरा अभिमान...

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

मेरे पास मत देने का अधिकार है। इनको दूं या उनको दूं, कहीं कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है। और कहीं हूं न हूं , लेकिन मतदान के समय तो मैं स्वयं अपनी मर्जी का मालिक हुआ करता हूं। चुनावी बेला में इसी अधिकार के बल पर मैं हर बार इतराता रहा हूं। हालांकि मत का उपयोग करने के बाद मेरी हालत पर कतरे परिंदे की तरह हो जाया करती है। व्यवहार में मैंने देखा है कि जब मैं मतदान करने के लिए घर से निकलता हूं, हर दल के मिलने वाले मुझसे नजर मिलाने का प्रयास करते है। अब यह अलग बात है कि मतदान करने के पश्चात नज़रे चुराने का नजारा दिखाई देता है, लेकिन मैं यूं खुश हूं कि चुनावी दौर में आचार संहिता लगते ही तमाम छोटे-बड़े नेता लोग सुध में आ जाया करते हैं।

सचमुच हवा में उड़ने वाले यदि धरातल पर दिखाई दें, तो एक प्रकार से एलियन से रूबरू होने का सुखद अनुभव हुआ करता है। पौन सदी से मैं और मेरे भाई बंधु चुनावी दौर में मिलने वाले आनंद की अनुभूति करते रहे हैं। कल के सत्ताधारी याचक भाव से जब विनम्रता की प्रतिमूर्ति बन जाया करते हैं, सच कहूं, मन बाग-बाग हो जाता है। आदमी यूं तो कहीं मात नहीं खाता, लेकिन जब मुगालते में आ जाता है तो मात खा ही जाता है। घर की दहलीज से ही ऐसी ठोकर लगती है कि वह बिस्तर पर पड़ जाता है।

दरअसल लोकतंत्र का यही मजा है कि जिन समस्याओं से हम दिन-रात जूझते रहा करते हैं, उन समस्याओं को राजनीति के श्रीमंतों के मुखारविंद से सुनना हमें यूं राहत देता है कि चलो इनको पता है तो समस्या का काम लग जाएगा आज भी बुनियादी आवश्यकताओं की आपूर्ति कर देने पर विकास की गंगा बहाने का खिताब हासिल कर लिया जाता है। भूले से कहीं बिजली, पानी और सड़क की समस्या का निराकरण कर दिया जाए तो संबंधित शख्सियत को 'विकास के अग्रदूत' के खिताब से विभूषित कर दिया जाता है। जहां तक उपलब्धियों का सवाल है, तो इसका तो सर्वाधिकार लोकतंत्र के श्रीमंतों के खाते में ही सुरक्षित रहा करता है। राजनीति के मैदान में हाथ-पैर मारने पर किस्मत के घोड़े की चाल बदल जाया करती है। नेता न बन पाए तो नेता का चहेता बन जाना भी किस्मत के दरवाजे खोल दिया करता है।

चतुर सुजान कहते हैं कि जनता जनार्दन को तोकने की अपेक्षा नेता और उसके परिवार वालों को पपोलना तुलनात्मक रूप से अधिक फायदेमंद होता है। वैसे मैं और मेरे जैसों को तथाकथित मुल्क के मालिक के रूप में महिमामंडित किया जाता रहा है। लेकिन सच तो यह है कि अपनी हालत बहादुर शाह जफर जैसी हुआ करती है। वह तो भला हो लोकतंत्र की दीपावली का, कि चुनावी दौर में अपन " वोटर दी ग्रेट " का रुतबा रखा करते हैं। अब राई के भाव रात को ही उतर जाए, तो कोई क्या करें!

X

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
जितना पैसा मोदी जी अडानी और बड़े अरबपतियों को दे रहे हैं, कांग्रेस की सरकार उतना पैसा सबसे गरीब लोगों की जेब में डालेगी और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करेगी।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@ashokgehlot51
बामनवास में मिला भारी जनसमर्थन!
#कांग्रेस_फिर_से का जनता बना चुकी मन।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
आपके दिमाग की सामग्री पिछले छापों का एक संचय मात्र है। अपनी अस्तित्वगत प्रकृति को जानने के लिए आपको उससे परे जाना होगा।

छत्तीसगढ़ की चुनाव परिक्रमा एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार प्रत्याशियों की औसत संपत्ति दो करोड़ रुपए

दूसरे चरण में 253 प्रत्याशी करोड़पति, सिंहदेव सूची में सबसे ऊपर

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में चुनाव लड़ रहे 953 उम्मीदवारों में से 253 उम्मीदवार करोड़पति हैं, जिनमें कांग्रेस उम्मीदवार और राज्य के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव 447 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव में सिंहदेव ने अपनी संपत्ति पांच सौ करोड़ रुपए से अधिक घोषित की थी। 'छत्तीसगढ़ इलेक्शन वॉच' और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर)

ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दूसरे चरण में कुल 958 उम्मीदवार हैं लेकिन उन्होंने पांच उम्मीदवारों का विश्लेषण नहीं किया है, क्योंकि उनके हलफनामे या तो खराब तरीके से स्कैन किए गए हैं या पूरे हलफनामे निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए गए थे। शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति दो करोड़ रुपए है। प्रमुख दलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 70 उम्मीदवारों में से 60 (86 फीसदी) उम्मीदवार करोड़पति हैं तथा भाजपा के 70 उम्मीदवारों में से 57 (81 फीसदी) उम्मीदवार करोड़पति हैं। वहीं, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के 62 उम्मीदवारों में से 26 तथा आम आदमी पार्टी के 44 उम्मीदवारों में से 19 (43 फीसदी) उम्मीदवार करोड़पति हैं।

ओबीसी व भ्रष्टाचार पर सियासी घमासान

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनावी रण में दूसरे चरण के लिए मतदान में एक सप्ताह का समय रह गया है और भाजपा व कांग्रेस के दिग्गज नेता राज्य का धुआंधार दौर कर रहे हैं। कांग्रेस ओबीसी व जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे खुलकर उठा रही है जबकि भाजपा महादेव एप को लेकर भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रही है और सीएम भूपेश बघेल को घेर रही है। ओबीसी व महादेव एप के शोर में स्थानीय मुद्दे गायब हो रहे हैं। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार ऐसे कई स्थानीय मुद्दे भी दूसरे चरण में प्रभावी होंगे जिन्हें घोषणा पत्र में शामिल नहीं किया गया है। राज्य में पहले चरण में बस्तर संभाग की 12 और दुर्ग

संभाग की आठ समेत 20 सीटों पर मतदान हुआ था। दूसरे चरण का चुनाव 17 नवंबर को 70 सीटों पर होगा। इनमें सरगुजा संभाग की 24, रायपुर संभाग की 20, बिलासपुर संभाग की 24 और दुर्ग संभाग की 12 सीटें शामिल हैं।

छोटे दल नहीं करदें कहीं बड़ा घात!

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़(जे), बसपा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी व आमआदमी पार्टी भी चुनाव मैदान में हैं। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के 84 उमीदवार इस बार चुनावी मैदान में हैं। पार्टी प्रमुख अमित जोगी पाटन सीट पर मुख्यमंत्री के खिलाफ लड़ रहे हैं। वहीं, बसपा पिछले चुनाव में अजीत जोगी की पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था , लेकिन इस बार उसने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ गठबंधन किया है। बसपा 58 तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी 32 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दरअसल, बसपा का आधार दलित वोट बैंक है। इस बार उसकी कोशिश है कि इसमें आदिवासी वोटों को भी जोड़ा जाए और इसलिए उसने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से हाथ मिला लिया है। बसपा का प्रभाव बिलासपुर संभाग में ही देखा गया है। प्रदेश की कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां बसपा अहम भूमिका निभाती रही है। वहीं आम आदमी पार्टी दूसरी बार छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ रही है।

एमएनएफ फिर से सत्ता में आएगा: सीएम जोरामथंगा

आइजोल। मिजोरम के मुख्यमंत्री और मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरामथंगा ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। जोरामथंगा ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद उनकी पार्टी अधिक कुशल तरीके से और नए जोश के साथ अगले पांच साल तक राज्य की सेवा करेगी। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए सात नवंबर को चुनाव हुए थे। जोरामथंगा ने यहां एमएनएफ कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, हम ईश्वर और जनता की मदद से सत्ता में बने रहेंगे। हमने लोगों की मदद के लिए अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। ईश्वर ने एक बार फिर हमें हमारी वर्तमान स्थिति में पहुंचाया है।

भाजपा ने 14 उम्मीदवारों की सूची जारी की

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 14 उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की। इसमें वरिष्ठ नेता एन रामचंद्र राव का नाम भी शामिल हैं। पूर्व विधान परिषद सदस्य राव को मल्काजगिरी से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा सूत्रों ने कहा कि अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की पार्टी जनसेना विधानसभा चुनाव में कुल 119 सीटों में से आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कल्याण की पार्टी, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है।

तेलंगाना: कांग्रेस ने किया ओबीसी और अल्पसंख्यकों से बड़ा वादा

ओबीसी के कल्याण पर हर साल खर्च करेंगे 20,000 करोड़ रुपए

■ अल्पसंख्यकों के लिए सालाना बजट 4,000 करोड़ होगा

एजेंसी | हैदराबाद

कांग्रेस ने तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आने की स्थिति में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण पर हर वर्ष 20,000 करोड़ रुपए और पांच वर्ष में एक लाख करोड़ रुपए खर्च करने का वादा किया है। इसके साथ ही पार्टी ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट को बढ़ाकर सालाना 4,000 करोड़ रुपए तक करने का वादा किया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कमारेड्डी से करीब 90 किलोमीटर दूर एक स्थान पर ओबीसी समुदाय के लिए कल्याणकारी योजनाओं का एक घोषणापत्र शुक्रवार को जारी किया। इसमें पार्टी ने पार्टी ने सत्ता में आने पर जातीय जनगणना के आधार पर ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा किया है। घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि ओबीसी को नए राजनीतिक पद प्रदान करने के लिए स्थानीय निकायों में उनका आरक्षण मौजूदा 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाएगा तथा सरकारी असैन्य निर्माण एवं रखरखाव ठेकों में 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

गुरुकुलम स्थापित किए जाएंगे

पार्टी ने वादा किया कि नवोदय विद्यालय की तर्ज पर हर मंडल में ओबीसी के लिए एक नया 'गुरुकुलम' स्थापित किया जाएगा तथा हर जिले में एक नया डिग्री महाविद्यालय खोला जाएगा। कांग्रेस का वादा है कि जिन ओबीसी विद्यार्थियों के परिवारों की वार्षिक आय तीन लाख रुपएसे कम है, उन्हें पूर्ण शुल्क माफी कर दी जाएगी।

शिल्पकारों के लिए मुफ्त दुकान

घोषणा पत्र में कहा गया है कि नाई,बढ़ई, धोबी और सुनार जैसे शिल्पकार समुदायों को दुकान की मुफ्त जगह देने के वास्ते हर मंडल में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा।

अल्पसंख्यकों से आरक्षण का वादा

दूसरी ओर पार्टी की ओर से गुरुवार को जारी 'अल्पसंख्यकों का घोषणापत्र' में कहा गया है कि वह नौकरियों, शिक्षा और सरकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों सहित सभी पिछड़े वर्गों के लिए उचित आरक्षण सुनिश्चित करेगी। अल्पसंख्यक वर्ग के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को रियायती दर पर ऋण प्रदान करने के लिए प्रति वर्ष 1,000 करोड़ रुपए का प्रावधान करने का वादा किया। पार्टी ने कहा कि वह 'अब्दुल कलाम तोहफा-ए-तालीम योजना' के तहत मुस्लिम, ईसाई, सिख और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को एम.फिल और पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने पर पांच लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

खादिम, पादरी, ग्रंथी व पुजारी के लिए 12,000 रुपए का मानदेय

घोषणापत्र में इमाम, मुअज्जिन, खादिम, पादरी और ग्रंथी सहित सभी धर्मों के पुजारियों के लिए 10,000 रुपए से 12,000 रुपए का मासिक मानदेय देने की बात कही गई है।

सिख वित्त निगम का वादा

पार्टी ने उर्दू माध्यम के शिक्षकों की विशेष भर्ती करने के अलावा तेलंगाना सिख अल्पसंख्यक वित्त निगम स्थापित करने का वादा किया। इसके अलावा, अल्पसंख्यक समुदायों के बेघर लोगों को मकान बनाने के लिए जगह और पांच लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। घोषणापत्र में कहा गया है कि अल्पसंख्यक समुदाय के नवविवाहित जोड़ों को 1.6 लाख रुपए दिए जाएंगे।

भाजपा ने कर्नाटक में बदला नेतृत्व

येदियुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी | नई दिल्ली

भाजपा ने शुक्रवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र येदियुरप्पा को पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। विजयेंद्र की आश्चर्यजनक नियुक्ति लोगों पर दिग्गज लिंगायत नेता येदियुरप्पा के प्रभाव की पार्टी नेतृत्व की स्वीकार्यता को रेखांकित करती है। नलिन कुमार कतील की जगह लेने वाले विधायक विजयेंद्र को कुशल संगठनात्मक नेता माना जाता है। येदियुरप्पा के राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर देखे जाने वाले विजयेंद्र (47) की नियुक्ति के साथ ही कई महीनों से चल रही अटकलें समाप्त हो गईं। विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि पार्टी के राज्य नेतृत्व में बदलाव होगा।

परिवारवाद के मुद्दे को किया नजरंदाज

इस बात की प्रबल संभावना थी कि भाजपा अपनी राज्य इकाई का प्रमुख किसी लिंगायत नेता को बनाएगी लेकिन परिवारवाद के मुद्दे को नजरंदाज करते हुए पार्टी ने पहली बार विधायक बने नेता को इस पद पर नियुक्त किया है। भाजपा अक्सर अन्य दलों पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधती रही है। लेकिन इस नियुक्ति ने येदियुरप्पा के राजनीतिक महत्व को उजागर कर दिया है कि चुनावी राजनीति से बाहर होने के बावजूद उनका प्रभाव कायम है। येदियुरप्पा के बड़े पुत्र बी वाई राघवेंद्र लोकसभा के सदस्य हैं।

जनसभा में सीएम चौहान

बालाघाट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को बालाघाट जिले के वाड़ासेवनी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान एक जनसभा में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ।

भाजपा-कांग्रेस ने धरणी को खत्म करने का संकल्प जताया

'धरणी' पोर्टल पर सियासी खींचतान

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की एकीकृत भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली 'धरणी' अब राज्य में राजनीतिक दलों के लिए आलोचना का विषय बन गई है और 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनकर उभरी है।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव नीत सरकार ने भूमि पंजीकरण से संबंधित मामलों में सुधार और शिकायतों के समाधान के लिए अक्टूबर 2020 में 'धरणी' पोर्टल

Dharani Registration

की शुरुआत की थी। राज्य सरकार ने धरणी रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर ही अपनी महत्वकांक्षी योजना 'रायथु बंधु' के लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की थी।

विपक्षी दलों का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल जमीन हथियाने के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल कर रहा है वहीं बीआरएस ने परियोजना को प्रगतिशील सुधार बताते हुए आरोपों को खारिज कर दिया है।

भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जैसे कई बड़े नेता अपनी रैलियों व जनसभाओं में 'धरणी' की आलोचना कर चुके हैं। वहीं राव ने अपने रैलियों में कहा है कि परियोजना धरणी ने भूमि के लेन-देन की प्रक्रिया से 'बिचौलियों' को हटा दिया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही सत्ता में आने पर धरणी को खत्म करने का संकल्प जताया है।

चुनाव आने से पहले बढ़ी कड़कनाथ मुर्गे की मांग

एजेंसी | झाबुआ

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों के तहत 17 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गे की मांग बढ़ने के साथ ही इसके दामों में इजाफा दर्ज किया गया है।

काले रंग के पौष्टिक मांस के लिए मशहूर इस मुर्गा प्रजाति को जियोग्राफिकल इंडिकेशन्स (जीआई) का तमगा हासिल है। झाबुआ के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिक डॉ. चंदन कुमार ने "पीटीआई-भाषा" को बताया कि ठंड के मौसम की शुरुआत हो गई है और चुनावों का भी समय है। ऐसे में कड़कनाथ की मांग 30 से 40 प्रतिशत बढ़ गई है। चुनावों के दौरान मांग में उछाल से कड़कनाथ के एक वयस्क मुर्गे का दाम बढ़कर 1,200 से 1,500 रुपए के बीच पहुंच गया है जो पहले 800 से 1,200 रुपए के बीच बिक रहा था। मांग बढ़ने के कारण हमें इसकी आपूर्ति तेज करनी पड़ी है।

मध्य प्रदेश की चुनावी डायरी

सत्ता में आए तो जातिगत जनगणना कराएंगे, यह क्रांतिकारी कदम: राहुल

एजेंसी | सतना (मप्र)।

मध्य प्रदेश विधानसभा के अगामी चुनाव को लेकर दिग्गज नेताओं के दौरे के कारण राज्य का सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन राज्य के दौरे पर रहे और सतना में एक चुनाव सभा को संबोधित किया।

भाजपा नेता व केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण भी मध्य प्रदेश के दौरे पर थी। राहुल गांधी ने सतना में एक रैली में कहा कि जाति आधारित जनगणना एक क्रांतिकारी कदम है जो लोगों का जीवन बदल देगा।कांग्रेस के सत्ता में आने पर मध्य प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी इसे करवाया जाएगा। राहुल ने बढ़ती बेरोजगारी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद सबसे पहला काम प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सही संख्या जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराने का होगा। यह एक एक्स-रे की तरह है जो सभी वर्गों की स्थिति सामने लाएगा। यदि कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति आधारित जनगणना कराएगी। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री हमेशा कहते थे कि वह ओबीसी हैं, लेकिन कांग्रेस द्वारा देश में जाति जनगणना कराने का मुद्दा उठाने के तुरंत बाद उन्होंने इस बारे में बात करना ही बंद कर दिया।

धनबल से गिराई सरकार

राहुल गांधी ने बड़वानी में एक सभा में आरोप लगाया कि भाजपा ने धनबल का इस्तेमाल कर कमलनाथ सरकार को गिरा दिया था। उन्होंने ने कहा, भाजपा और उनके बड़े उद्योगपति मित्रों ने विधायकों को पैसा देकर आपकी सरकार छीन ली।

18,000 किसानों ने आत्महत्या की

गांधी ने मध्य प्रदेश में भाजपा शासन का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में 18 वर्षों में कर्ज के कारण 18,000 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार ने उन्हें उनकी फसलों का सही दाम नहीं दिया, इसलिए उन्हें कर्ज लेना पड़ा और अपनी जमीन बेचनी पड़ी। ओबीसी, पिछड़ा, किसान, सामान्य वर्ग के गरीब जीएसटी देते हैं और बैंक का पूरा पैसा तीन चार उद्योगपति को पकड़ा दिया जाता है... अडाणी, अंबानी जैसे उद्योगपति।

फसल बीमा योजना पर उठाया सवाल

उन्होंने केंद्र की फसल बीमा योजना पर निशाना साधते हुए कहा कि इस योजना का पैसा लोगों की जेब से निकालकर 16 कंपनियों को दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 16 बीमा कंपनियों में दलित, ओबीसी और आदिवासी समुदाय से कोई भी काम नहीं करता है।

भाजपा का घोषणा-पत्र आज

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा शनिवार को अपना घोषणापत्र जारी करेगी। प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि घोषणापत्र पार्टी अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, इकाई प्रमुख विष्णु दत्त शर्मा और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा जारी किया जाएगा।

राजस्थान में दलित महिलाओं पर 'भयंकर अत्याचार' सीतारमण

इंदौर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर हमला बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस शासित राजस्थान में दलित महिलाओं पर भयंकर अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन वह दूसरे राज्यों में जाकर व्याख्यान दे रही हैं। प्रियंका ने मध्य प्रदेश में पार्टी की रैलियों में आरोप लगाया था कि राज्य में भाजपा के 18 साल के राज में महिलाओं से बलात्कार की घटनाएं बढ़ी हैं। सीतारमण ने पलटवार करते हुए इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि राजस्थान में, खासकर दलित महिलाओं पर इतने भयंकर अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन राजस्थान सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। लेकिन प्रियंका इस विषय में कुछ नहीं बोलतीं। सीतारमण ने एक सवाल के जवाब में कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मांगी थी जो खुद एक सिख हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भी सिख विरोधी दंगों के मामले में सिखों की चीख-पुकार सुननी चाहिए।

जरूरी खबर

मोइत्रा मामले में रिपोर्ट स्पीकर के ऑफिस को सौंपी

नई दिल्ली। लोकसभा की आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के आरोप पर समिति की रिपोर्ट लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के कार्यालय को सौंप दी है। समिति ने गुरुवार को एक बैठक में बहुमत से उस रिपोर्ट को स्वीकार किया था जिसमें मोइत्रा को संसद के निचले सदन से निष्कासित करने की अनुशंसा की गई है। सूत्रों के अनुसार बिरला अभी कोटा में हैं और उनके दिवाली के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौटने की संभावना है। उसके बाद वह रिपोर्ट पर कार्रवाई कर सकते हैं।

मोदी व ब्राजील के राष्ट्रपति में पश्चिम एशिया पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंताएं साझा कीं और वहां आतंकवाद, हिंसा और जनजीवन की हानि पर गहरी चिंता व्यक्त की। मोदी की लूला से बातचीत इजराइल-हमास के मध्य जारी संघर्ष के बीच हुई है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति ने एक टेलीफोन कॉल किया। उन्होंने आतंकवाद, हिंसा और नागरिकों की जान की क्षति पर गहरी चिंता व्यक्त की।

हीरो कॉर्प: मुंजाल की 24.95 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन कांत मुंजाल ने भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों का उल्लंघन करते हुए विदेश में अपने निजी खर्च के लिए दूसरों के नाम पर जारी विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल किया। मुंजाल के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत उनकी 24.95 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर ली है। जांच एजेंसी ने दावा किया कि एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ने अधिकृत डीलरों से अपने विभिन्न कर्मचारियों के नाम पर विदेशी मुद्रा निकलवाई और मुंजाल के रिलेशनशिप मैनेजर को सौंप दी।

उत्तरी कश्मीर में हिमपात

गुलमर्ग। *उत्तरी कश्मीर के पर्वतीय इलाकों में शुक्रवार को हिमपात हुआ जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई। हिमपात के बाद बारामुला जिले में गुलमर्ग में बर्फबारी के बाद भ्रमण के लिए पहुंचे पर्यटक।*

संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में गिरफ्तार आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत की अवधि शुक्रवार को 24 नवंबर तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने सिंह को संसद सदस्य के रूप में विकास कार्यों से संबंधित तीन पत्रों पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी। ये तीनों पत्र दिल्ली नगर निगम के आयुक्त के नाम थे। न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को उन्हें पंजाब की एक अदालत के समक्ष पेश करने का भी निर्देश दिया। इस बीच, अदालत कक्ष में लाए जाने के दौरान सिंह ने भाजपा का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने से भी बदतर कुछ करने की योजना बनाई है।

टू प्लस टू वार्ता: भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक मुद्दों पर सहमति

मिलकर बनाएंगे बख्तरबंद वाहन भारत को मिलेंगे ड्रोन MQ-9 बी

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका रक्षा औद्योगिक सहयोग के तहत युद्धक वाहनों का सह-उत्पादन करेंगे। चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता के मद्देनजर दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी एजेंडा तय किया है। ऑस्टिन 'टू प्लस टू' रक्षा और विदेश मंत्रिस्तरीय विचार-विमर्श के बाद कुछ संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। वार्ता में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमरीका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने भाग लिया। ऑस्टिन ने बख्तरबंद वाहन परियोजना को महत्वपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि भारत को अमेरिका से जल्द ही एमक्यू-9बी ड्रोन मिलें। एक संयुक्त बयान के अनुसार दोनों देश आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

सुरक्षा चुनौतियों पर की चर्चा

वार्ता के बाद मीडिया ब्रीफिंग में, ऑस्टिन ने कहा कि दोनों पक्षों ने चीन द्वारा उत्पन्न बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बारे में बात की। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सिंह और ऑस्टिन ने रक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने और दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों को सहयोगात्मक रूप से सह-विकास और रक्षा प्रणालियों का सह-उत्पादन करने पर विशेष ध्यान दिया गया। यह बैठक लद्दाख में भारत और चीन के बीच तीन साल से अधिक समय से चल रहे सीमा विवाद के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी सैन्य जहाजों की बढ़ती घुसपैठ पर चिंताओं के बीच हुई है।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर चिंता

भारत ने कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों पर अपनी चिंताओं से शुक्रवार को अमेरिका को अवगत कराया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा, हमने अपनी चिंताओं को स्पष्ट कर दिया है। अमेरिकी पक्ष नई दिल्ली की चिंताओं को समझता है। ज्ञात रहे कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के इस मामले में भारतीय एजेंट के लिप्त होने का आरोप लगाया था।

मुंबई हमले के दोषियों पर हो कार्रवाई

भारत और अमेरिका ने परोक्ष तौर पर पाकिस्तान को एक संदेश देते हुए शुक्रवार को 26/11 मुंबई हमले और पठानकोट हमले की निंदा दोहराई और इसके दोषियों को न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया। 'टू प्लस टू' वार्ता के अंत में एक संयुक्त बयान में, भारत और अमेरिका ने स्पष्ट रूप से आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद और आतंकवादी समूहों के उपयोग और आतंकवादी समूहों को साजोसामान, वित्तीय या सैन्य समर्थन की निंदा की।

चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने पर सहमति

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की विशेषता आपसी भरोसा है और दोनों पक्ष चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने, स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर तेजी से सहमत हो रहे हैं। सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक भारत-अमेरिका के बीच 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता के पांचवें संस्करण के समापन के तुरंत बाद हुई।

विधेयकों पर विवाद पर SC ने कहा...

पंजाब में जो हो रहा, वह गंभीर चिंता का विषय

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने को लेकर पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच जारी गतिरोध को शुक्रवार को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि राज्य में जो हो रहा है उससे वह खुश नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे.बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने पंजाब सरकार और राज्यपाल दोनों से कहा, हमारा देश स्थापित परंपराओं और परिपाटियों से चल रहा है और उनका पालन करने की जरूरत है।

पीठ ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर सहमति नहीं देने के लिए पंजाब के राज्यपाल पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा,आप आग से खेल रहे हैं। साथ ही पीठ ने विधानसभा सत्र को असंवैधानिक करार देने की उनकी शक्ति पर सवाल उठाया।

पीठ ने पंजाब सरकार से भी सवाल किया कि उसने विधानसभा के बजट सत्र की बैठक को स्थगित क्यों किया, सत्रावसान क्यों नहीं किया गया।

विधेयकों की मंजूरी के मामले में आदेश होगा पारित

पीठ ने कहा कि वह विधेयकों को मंजूरी देने की राज्यपाल की शक्ति के मुद्दे पर कानून तय करने के लिए एक संक्षिप्त आदेश पारित करेगी। छह नवंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्य के राज्यपालों को इस तथ्य से अनजान नहीं रहना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। पंजाब सरकार ने पूर्व में राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की ओर से मंजूरी देने में देरी का आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। ज्ञात रहे कि पंजाब के राज्यपाल का मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है।

लालू परिवार के सहयोगी को पकड़ा

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने नौकरी के बदले भूमि घोटाले से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव के कथित सहयोगी अमित कात्याल को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया।

आधिकारिक सूत्रों ने दावा किया कि एजेंसी द्वारा पूछताछ के लिए जारी किये गए समन से कात्याल करीब दो महीनों से बच रहे थे। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दिल्ली से हिरासत में लिया।

कात्याल के परिसरों पर संघीय एजेंसी ने मार्च में छापा मारा था, जब लालू, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव,उनकी बहनों और अन्य के परिसरों में तलाशी ली गई थी। ईडी के अनुसार, कात्याल राजद प्रमुख के करीबी सहयोगी होने के साथ-साथ एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व निदेशक भी हैं।

एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड मामले में कथित लाभार्थी कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय दक्षिण दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित एक आवासीय भवन है, जिसका इस्तेमाल तेजस्वी करते हैं।

अजित व पटेल की शाह से भेंट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राकांपा के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह बैठक मराठा समुदाय द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट और राकांपा पर दावे को लेकर निर्वाचन आयोग के समक्ष सुनवाई के बीच हुई है।

जाम में फंसे वाहन

गुरुग्राम। *धनतेरस उत्सव के चलते शुक्रवार को दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे पर लगे भारी जाम में फंसे वाहन रेंगते नजर आए।*

वायु प्रदूषण: सम-विषम मसले पर दिल्ली सरकार की खिंचाई

NCR से लगे राज्य पराली को जलाने से रोकें: एससी

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में 'सम-विषम' कार योजना लागू करने का निर्णय दिल्ली सरकार को लेना है और अदालत पर यह बोझ डालने को लेकर शहर की सरकार की खिंचाई की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पंजाब में और दिल्ली से लगे कुछ अन्य राज्यों में पराली जलाना रोकना होगा तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण का स्तर घटाने के लिए एक समाधान ढूंढना होगा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े एक विषय की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रदूषण के मुद्दे पर कई रिपोर्ट और समितियां हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं हो रहा है। शीर्ष न्यायालय नतीजे देखना चाहता है।

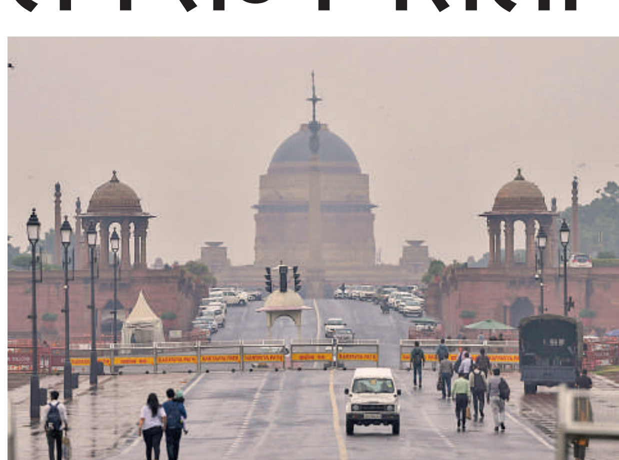

सम विषम योजना का न्यायालय से कोई लेना-देना नहीं

पीठ ने कहा कि सम-विषम योजना से न्यायालय का कोई लेना-देना नहीं है और इसने कभी नहीं कहा कि पड़ोसी राज्यों से दिल्ली में प्रवेश करने वाली टैक्सियों पर भी इसे लागू किया जाना चाहिए। दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि यह दिवाली के अगले दिन, 13 नवंबर से 20 नवंबर तक सम-विषम योजना लागू करेगी, जब वायु प्रदूषण के चरम पर रहने की संभावना है। शीर्ष न्यायालय ने सात नवंबर को विषय की सुनवाई के दौरान योजना के प्रभाव पर सवाल उठाया था, जिसके बाद राय ने कहा था कि शुक्रवार को इसपर अदालत के सुनवाई करने और आदेश जारी किये जाने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। शीर्ष न्यायालय वायु प्रदूषण पर पर्यावरणविद एम सी मेहता द्वारा 1985 में दायर एक याचिका पर विचार कर रहा है। प्रदूषण से जुड़े कई मुद्दे मेहता की याचिका पर सुनवाई के दौरान उठे हैं।

बारिश बनी वरदान प्रदूषण से मिली राहत

वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर और धुंध से पिछले 10 दिन से परेशान दिल्लीवासियों को गुरुवार को रातभर हुई बारिश के कारण राहत मिली और राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में शुक्रवार को 150 अंकों का सुधार देखा गया। दिल्ली में शुक्रवार अपराह्न चार बजे पिछले 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 279 रहा जो गुरुवार के 437 से काफी बेहतर है। शहर में 28 अक्टूबर से पिछले दो सप्ताह में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' से 'गंभीर' हो गई थी।

मसौदा विधेयक जारी

OTT व डिजिटल मीडिया के लिए बनेगा नियामक

एजेंसी | नई दिल्ली

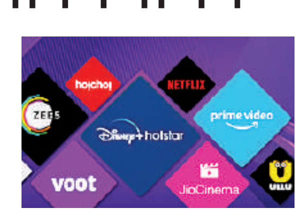

सरकार ने शुक्रवार को एक मसौदा विधेयक जारी किया, जो ओटीटी और डिजिटल मीडिया सामग्री सहित प्रसारण सेवाओं के लिए नियामक ढांचे को मजबूत करने का प्रावधान करता है। प्रसारण सेवाएं (नियमन) विधेयक,2023 केबल टेलीविजन नेटवर्क्स रेगुलेशन एक्ट, 1995 और प्रसारण क्षेत्र को शासित करने वाले अन्य नियमों व दिशानिर्देशों का स्थान लेगा तथा (प्रसारण) सामग्री पर स्व-नियमन को मजबूत करेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने विधेयक पर क्षेत्र के विशेषज्ञों, प्रसारण सेवाएं प्रदानकर्ताओं और आम लोगों सहित हितधारकों से अगले महीने तक टिप्पणी मांगी है। विधेयक में प्रसारकों द्वारा सामग्री मूल्यांकन समितियां गठित करने और स्व-विनियमों को मजबूत करने का प्रावधान है। इसमें सरकार को सलाह देने के लिए एक प्रसारण सलाहकार परिषद गठित करने का भी प्रावधान किया गया है।

डॉक्टर्स बैडमिन्टन लीग के प्रतियोगी चिकित्सकों ने गेट टुगेदर में किया एंजॉय

म्यूजिकल सूफी नाइट और स्नेह मिलन समारोह में बांटी दीपावली की खुशियां

बेधड़क | जयपुर

स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने से पहले जब गेट टुगेदर करते हुए दीपावली की खुशियां बांटने का मौका मिला तो हर कोई फैमिली के साथ एंजॉय करता दिखाई दिया। सबने एक-दूसरे को दिवाली विश की और पार्टी को एंजॉय करते हुए पर्व व प्रतियोगिता के सफल आयोजन की खुशियां बांटी। ये थे डी बी एल में हिस्सा लेने वाले जयपुर के डॉक्टर्स, जिन्होंने प्रतियोगिता में जमकर पसीना बहाया और पार्टी को भी एंजॉय किया। चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि निविक डॉक्टर्स बैडमिन्टन लीग चिकित्सकों और उनके परिवारजनों के लिए सालाना होने वाली लोकप्रिय प्रतियोगिता है। डीबीएल की आयोजक मेडिकोज सोशल वेलफेयर सोसायटी और वरिष्ठ अस्थि रोग चिकित्सक डॉ. धीरज दूबे की ओर से प्रतियोगिता शुरू होने से पहले चिकित्सकों और अतिथियों के लिए दीपावली स्नेह मिलन समारोह और सूफी म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया। संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया, कि रंगारंग शाम में मांगनिहार गायक चुग्गे खान व बॉलीवुड गायक रविन्द्र उपाध्याय ने सुरीली प्रस्तुतियों से दिवाली और प्रतियोगिता को और भी यादगार बना दिया।

1. बाएं से डॉ. हनुमान खोजा, डॉ. जीवन कांकरिया, डॉ. अनिल यादव, डॉ. संदीप निझावन, चुगे खान, डॉ. हरीश भारद्वाज।
2. डॉ. प्रियंका और राजेंद्र 3. डॉ. नितिन और आयुषी 4. डॉ. अनुपमा और सुनीत 5. डॉ. धीरज दुबे और सोनदेव बंसल।
6. डॉ. शशांक, डॉ. हरीश भारद्वाज, विनेश, डॉ. धीरज, डॉ. अनिल।

IFFI में फर्रे सलेक्ट हुई, शामिल होंगे 'हमारे' भी सिनेमा लवर्स

बेधड़क. जयपुर। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) गोवा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर और प्रदेश से कई सिनेमा लवर्स और निर्मता भी हिस्सा लेंगे। भारतीय पैनोरमा ने 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर-फीचर फिल्मों को शामिल करने की घोषणा की, जो 20 से 28 नवंबर तक महोत्सव में प्रदर्शित की जाएंगी। अपकमिंग मूवी फर्रे को भी लिस्ट में जोड़ा गया है। मूवी का डाइरेक्शन सौमेंद्र पाधी ने किया है और अभिषेक यादव तथा पाधी ने लिखा है। मूवी एकेडमिक छल की दुनिया पर प्रकाश डालती है, जहां स्कॉलरशिप प्राप्त कर चुकी अनाथ प्रतिभाशाली नियति अपने समृद्ध द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय धोखाधड़ी रैकेट में अनजाने में फंस जाती है। 54वें आईएफएफआई में मूवी को कंतारा, शेरशाह, सिर्फ एक बंदा और हाल के समय की बेहतरीन फिल्मों और अन्य अंतरराष्ट्रीय जेम्स के साथ प्रदर्शित किया जाएगा।

बैठक में उठाई अभिभावक कल्याण बोर्ड बनाने की मांग

बेधड़क. जयपुर। संयुक्त अभिभावक संघ ने मांग की है कि गरीब और जरूरतमंद अभिभावकों की रक्षा के लिए अभिभावक कल्याण बोर्ड बनाया जाए। साथ ही अभिभावकों से जुड़े अहम मुद्दों को देखा जाए। इसके लिए बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार रखे। संयुक्त अभिभावक संघ प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा कि संघ पिछले साढ़े 3 साल से अभिभावकों के अधिकारों और संरक्षण की मांग को लेकर काम कर रहा है। अभिभावकों में सबसे ज्वलंत मुद्दे निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण, फीस एक्ट 2016 कानून की पालना, आरटीई के तहत अधिक से अधिक बच्चों को एडमिशन देना और गरीब परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है।

City इवेंट्स

दीपावली पर गिरनार तीर्थ की रक्षा के लिए करेंगे सांकेतिक अनशन

बेधड़क. जयपुर। दीपावली पर जैन संतों सहित सकल जैन समाज जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ की मोक्ष स्थली गिरनार तीर्थ की रक्षा के लिए सांकेतिक अनशन करेंगे। राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में प्रदेश, जिलों व तहसील स्तर सहित गांवों में जैन मंदिरों में 3 घंटे का सांकेतिक अनशन किया जाएगा। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन व महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि राष्ट्र संत आचार्य सुनील सागर महाराज की प्रेरणा से जैन संत दीपावली को आहार चर्या का त्याग रखेंगे तथा अनशन करेंगे। जैन समाज दिगंबर व श्वेतांबर पूरे राजस्थान प्रदेश में सभी शहरों, कस्बों व गांवों में सिद्ध क्षेत्र श्रीगिरनारजी तीर्थ की रक्षा के लिए सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक सामूहिक सांकेतिक अनशन करेंगे। सभा मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जयपुर में नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारकजी की नसियां में जयपुर जैन समाज एकत्रित होकर अन्न जल का त्याग रखते हुए 3 घंटे का सामूहिक सांकेतिक अनशन करेगा।

कला साधकों ने संगीत प्रस्तुतियों से जयपुराइट्स को सुनाए राम प्रसंग

बेधड़क. जयपुर। दीपावली पर शुभ के पथ श्रीराम में संगीत कलासाधकों ने दीए जला कर संगीत प्रस्तुतियों से भगवान राम का स्वागत किया। इस मौके सलिल भट्ट ने श्रीराम के रोचक प्रसंग सुनाए। संस्थापक जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि त्रेता युग मे अधर्म पर धर्म की विजयी दिला कर जब भगवान श्रीराम अयोध्या लौटे तो प्रसन्न होकर अयोध्या वासियों ने नगर और घरों में घी के दिए जलाकर राम के गुणगान वाले भजन गाकर उन पर नृत्य कर के मर्यादा पुरुषोत्तम का स्वागत किया। राम भक्त व संगीत कलासाधकों ने राम के प्रतिमा के सामने दीए जलाए और महिमा का गुणगान वाली संगीत प्रस्तुतियां दीं। गायक भवनेश शर्मा ने 'राम कहानी सुनो रे राम कहानी' गाया तो सभागार में उपस्थित राम भक्तों की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम में सनातन सात्विक स्वर संवाद द्वारा पूरे देश मे संगीत प्रस्तुतियों के साथ राम का गुणगान करने पर सलिल भट्ट को श्री राम सम्मान से सम्मानित किया गया। इस दौरान महेंदीपुर बालाजी शिक्षा समिति सचिव सुदीप तिवारी, नेहरू युवा केन्द्र पूर्व निदेशक महेश शर्मा, राजस्थान विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ पूर्व अध्यक्ष राकेश यादव, रामराय शर्मा आदि ने रामायण के प्रसंग व चौपाइयां सुनाई।

SSD स्नेह मिलन 13 को, किया जाएगा कार्यकारिणी का गठन

बेधड़क. जयपुर। समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन टीम एसएसडी की ओर से 13 नवंबर को आमेर उपखंड के छापराड़ी स्थित लावा भौमिया जी महाराज के मंदिर में पांचवां दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन होगा। एसएसडी फाउंडेशन के नन्दलाल मीना छापराड़ी ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह में एसएसडी फाउंडेशन के आगामी कार्यक्रमों की चर्चा के साथ नवीन कार्यकारणी का गठन किया जाएगा।

सजावट के स्विच ऑन इवेंट में बोले व्यापारी

लाइलाज शत्रु का भी इलाज कर सकती है हमारी पुरातन संस्कृति

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी में दीपोत्सव अपने-अपने अंदाज में मनाया जा रहा है। इसी के साथ सजावट व लाइटिंग का स्विच ऑन भी इवेंट के रूप में किया गया, जिसमें व्यापारियों के साथ ही जयपुराइट्स और पूर्व राजपरिवार के सदस्य भी शामिल हुए और समारोह के रूप में स्विच ऑन किया गया। इसी कड़ी में चौड़ा रास्ता व्यापार मंडल के दीपोत्सव-2023 का स्विच ऑन किया गया। स्विच ऑन होते ही पूरा बाजार रोशनी में नहा गया। व्यापारियों की ओर से की गई सजावट में उनकी मेहनत का उजास साफ दिखाई दे रहा था। स्विच ऑन समारोह में चीफ गेस्ट सवाई पदमनाभ सिंह रहे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दीपावली का उत्सव असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इसका महत्व सिर्फ धार्मिक तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ये भाईचारे को भी बढ़ाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदीप मित्तल ने कहा कि हम कोरोना को मात देते हुए इस दिवाली ये साबित कर चुके हैं कि हमारी पुरातन संस्कृति हर लाइलाज शत्रु का भी इलाज कर सकती है।

दीपोत्सव से पता चल रहा है कि भारत अब किसी भी मायने में कम नहीं है। विशिष्ट अतिथि राकेश गुप्ता ने कहा कि आपदाओं के बाद इस बार जो उत्साह है वह पिछले 3-4 साल में नहीं था। समारोह में व्यापार मंडल की उपलब्धियां भी बताई गईं।

'भारतीय रेलवे जम्मू रेट' की तैयारी का आकलन

भारत स्काउट व गाइड की बैठक में शिविर की तैयारियों पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

उत्तर-पश्चिम रेलवे राज्य भारत स्काउट व गाइड की राज्य कार्यकारिणी बैठक का आयोजन प्रधान कार्यालय उत्तर-पश्चिम रेलवे में किया गया। बैठक की अध्यक्षता नरसिंह प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक व अध्यक्ष उत्तर-पश्चिम रेलवे राज्य भारत स्काउट व गाइड ने की।

बैठक में चारों मंडलों अजमेर, जयपुर, बीकानेर व जोधपुर से जिला (मंडल) संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से जनवरी-2024 में तिरुचिरापल्ली दक्षिण रेलवे पर आयोजित होने वाली भारतीय रेलवे जम्मू रेट की तैयारी का आकलन किया गया और उत्तर-पश्चिम रेलवे के चारों मंडलों तथा प्रधान कार्यालय लोकल संगठन का कोटा निर्धारित किया गया। बैठक में उत्तर पश्चिम रेलवे राज्य भारत स्काउट व गाइड में नए सदस्यों की भर्ती पर चर्चा की गई। उत्तर-पश्चिम रेलवे राज्य भारत स्काउट व गाइड के पदाधिकारी कैप्टन शशि किरण-राज्य आयुक्त-स्काउट, डॉ. चित्रलेखा राज्य आयुक्त गाइड, मेघा गोदारा राज्य आयुक्त बुलबुल, डॉ. नेहा मीना सहायक राज्य आयुक्त, अरविंद कुमार राज्य कोषाध्यक्ष, महेंद्र सिंह नेगी राज्य सचिव व बलबीर सिंह सहा. राज्य सचिव उपस्थित रहे। प्रधान कार्यालय लोकल संगठन के चेयरमैन गौरव गौड़ व कमिश्नर प्रदीप पूनिया ने भी बैठक में भाग लिया।

पर्व महत्व | निर्वाण उत्सव मनाते समय भगवान की पूजा में चढ़ाए जाते हैं निर्वाण लाडू

जैन धर्म में लक्ष्मी का अर्थ धन को नहीं, निर्वाण को माना

बेधड़क | जयपुर

जैन धर्म में लक्ष्मी का अर्थ होता है निर्वाण और सरस्वती का अर्थ होता है केवल ज्ञान। इसलिए प्रातःकाल जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाते समय भगवान की पूजा में निर्वाण लड्डू चढ़ाए जाते हैं, क्योंकि भगवान महावीर को मोक्ष रूपी लक्ष्मी प्राप्ति हुई और गणधर गौतम स्वामी को ज्ञान रूपी सरस्वती।

लक्ष्मी-सरस्वती का पूजन दीपावली के दिन किया जाता है। श्री दिगंबर जैन मन्दिर जनकपुरी, ज्योतिनगर अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि लक्ष्मी पूजा के नाम पर रुपए-पैसों की पूजा जैन धर्म में स्वीकृत नहीं है। जैन समाज के प्रसिद्ध स्तोत्र भक्तामर के अंतिम श्लोक में आचार्य मानतुंग ने मोक्ष रूपी लक्ष्मी का वरण करने का भाव इस प्रकार व्यक्त किया है- 'धत्ते जनो य इह कण्ठ-गतामजसं, तं मानतुंगमवश समुपैति लक्ष्मीः।'

पदम जैन बिलाला

दीपलिक शब्द से दीपावली

दीपावली शब्द से संबंधित शब्द दीपलिक का सबसे पुराना संदर्भ आचार्य जिनसेन द्वारा लिखित हरिवंश-पुराण में मिलता है। ततस्तुः लोकः प्रतिवर्षमादरत् प्रसिद्धदीपलिकयात्र भारते। समुद्यतः पूजयितुं जिनेश्वरं जिनेन्द्र-निर्वाण विभूति-भक्तिभाक्।। देवताओं ने इस अवसर पर दीपक द्वारा पावानगरी को प्रबुद्ध किया। उस समय के बाद से, भारत के लोग भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव पर उनकी की पूजा करने के लिए प्रसिद्ध त्यौहार 'दीपलिक' मनाते हैं।

नित्य जिन पूजा से पहले पंचपरमेष्ठी का वंदनपाठ

नित्य जिन पूजा प्रारंभ करते समय सर्व प्रथम पंचपरमेष्ठी का वंदन किया जाता है। इस वंदन में सिद्धों की आराधना में अष्ट कर्मों का नाश कर मोक्ष रूपी लक्ष्मी की प्राप्ति का जिक्र किया गया है- कर्माष्टक-विनिर्मुक्तं मोक्ष-लक्ष्मी-निकेतनं। सम्यक्त्वादि-गुणोपेतं सिद्धचक्रं नमाम्यहं।।

मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति ही मानव जीवन का सार

जैन धर्म के लिए यह त्योहार विशेष रूप से त्याग और तपस्या के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है। इसलिए इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा करके उनके त्याग और तपस्या को याद करते हैं। दिवाली यानी वीर निर्वाणोत्सव वाले दिन सभी जैन लक्ष्मी व सरस्वती अर्थात् मोक्ष व केवल ज्ञान प्राप्ति दिवस के रूप में पूजन कर मनाते हैं। इस प्रकार जो लक्ष्य को प्राप्त कराए, उसे लक्ष्मी कहते हैं। लक्ष्य अंतिम है-जैसे दूध से घी की प्राप्ति, यही दूध का अंतिम लक्ष्य है। वैसे ही मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष है। मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति ही मानव जीवन का सार है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शनिवार, 11 नवंबर, 2023

ब्रह्मांड केवल अपने सबसे मजबूत योद्धा को ही सबसे कठिन काम देता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास

कोपेनहेगन। *नाजी सरकार ने जर्मनी और ऑस्ट्रिया में 9-10 नवंबर, 1938 की रात को यहूदियों के खिलाफ हिंसक दंगे शुरू किए। इसी रात जर्मनी में यहूदियों की करीब साढ़े सात हजार दुकानों, उनके प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त कर दिया। यहां तक कि उनकी कब्रगाह भी नहीं छोड़ीं। घरों तक पर हमले किए। भारी हिंसा और लूट की इस रात में बिखरे कांच और मलबे के कारण नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास कहा जाता है। इसके अलावा 9 नवंबर की रात को होलोकॉस्ट की ड्रेस रिहर्सल भी कहा जाता है। कोपेनहेगन में नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास की 85वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कोपेनहेगन में सिनेगॉग के बाहर मशाल जुलूस में एकत्रित लोग।* **फोटो - पीटीआई**

पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के पूर्व कमांडर को मारी गोली

भारत के खिलाफ उगलता था जहर

एजेंसी । पेशावर

पाकिस्तान में भारत के एक दुश्मन लश्कर ए-तैयबा के पूर्व कमांडर अकरम खान की गोली मारकर हत्या कर दी।

अकरम ने 2018 से 2020 तक लश्कर में भर्ती का कार्य किया था और भारत के खिलाफ जहर भी उगलता था। उनकी मौत बाजौर में अज्ञात हमलावरों द्वारा कथित तौर पर गोली मारकर की गई है।

अकरम लश्कर के टॉप कमांडर्स में से एक था और लंबे समय तक आतंकी गतिविधियों में शामिल भी रहा।

बाजौर में किया अकरम गाजी को ढेर

अकरम खान उर्फ अकरम गाजी को खैबर के बाजौर में ढेर किया गया है। अकरम की हत्या को आईएसआई के साथ ही लश्कर के सरगना हाफिज सईद के लिए भी बड़ा झटका बताया जा रहा है। गाजी लश्कर के लिए भारत के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण आतंकी था। संगठन का मानना था कि वह भारत के खिलाफ घाटी के युवाओं को काफी प्रभावी तरीके से भड़का सकता था। वह अक्सर भारत के खिलाफ जहर उगलता था।

मारे जा चुके हैं कई आतंकी

गाजी की हत्या इस साल लश्कर के किसी शीर्ष ऑपरेटिव की तीसरी हत्या और सीमा पार से सक्रिय किसी शीर्ष कमांडर की छठी हत्या है। इस साल मार्च में हिजबुल मुजाहिदीन के एक शीर्ष कमांडर की पाकिस्तान के रावलपिंडी में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उससे पहले फरवरी में अज्ञात बंदूकधारियों ने बंदरगाह शहर कराची में अल-बद्र मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर सैयद खालिद रजा की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसे पुलिस ने एक टारगेट किलिंग बताया था। इस साल की शुरुआत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के टॉप कमांडर के रूप में काम करने वाले कश्मीरी आतंकी ऐजाज अहमद अहंगर की अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में हत्या हुई थी। बताw या गया था कि उसे तालिबान ने मार दिया था।

गाजा के तीन अस्पतालों पर इजराइल के हमले

4 घंटे के सीजफायर के बाद फिर एयर स्ट्राइक

एजेंसी । गाजा

इजराइल और हमास के बीच कुछ घंटों के लिए युद्ध रोकने को सहमति बनी थी, लेकिन इजराइल ने दोबारा हमले शुरू कर दिए हैं। इससे उन हजारों लोगों के सामने संकट खड़ा हो गया है, जो गाजा से निकलकर जान बचाना चाहते थे। दरअसल इजराइल ने गाजा के तीन अस्पतालों पर एयर स्ट्राइक की हैं, जिनमें हजारों लोग शरण लिए हुए थे। इस बीच एक मस्जिद को गिराने का भी वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखता है कि इजराइली हमले में मस्जिद पूरी तरह से तबाह हो गई और पल भर में मलबे का ढेर जमा हो गया।

हेल्थ मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया कि इजराइल की ओर से बीते कुछ घंटों में कई अस्पतालों पर भीषण हमले हुए हैं। फिलिस्तीन के स्थानीय अखबारों ने भी अल शिफा अस्पताल पर हमले की खबरें दी हैं। वहीं इजराइली सेना का कहना है कि हमने अस्पताल पर हमले किए हैं, लेकिन उनमें स्थानीय नागरिक नहीं छिपे हैं।

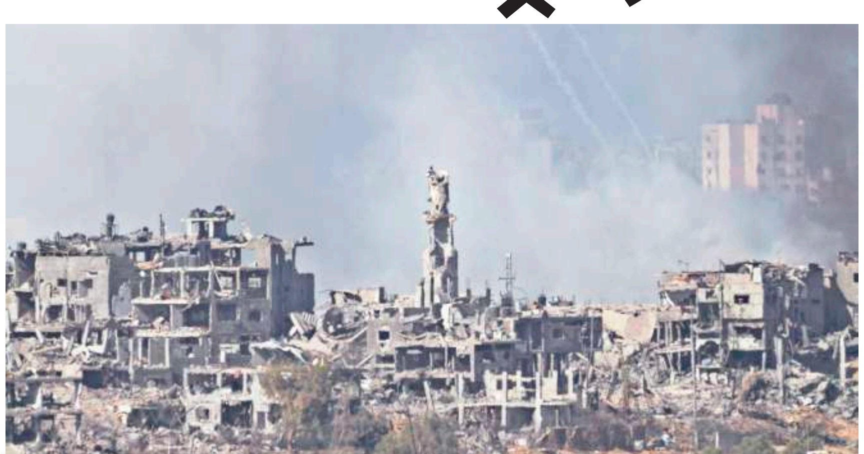

अस्पतालों में हमास के आतंकियों ने बना रखा है ठिकाना

इजराइली सेना ने कहा कि अल-शिफा समेत कई अस्पतालों में हमास के आतंकियों ने ठिकाना बना रखा है। इन ठिकानों को नेस्तनाबूद करने के लिए हम हमले कर रहे हैं। इजरायल ने कहा कि हम आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाना चाहते। हमारी ओर से तो लोगों को मोहलत ही गई कि वे मिस्र की ओर जा सकें। इजराइल की सेना अब गाजा शहर के अंदर घुस रही है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक बड़ी संख्या में इजराइली सैनिक अब गाजा में स्थित अहम प्रतिष्ठानों की घेरेबंदी करने लगे हैं।

गाजा में संघर्ष-विराम की मांग को लेकर प्रदर्शन

न्यूयॉर्क। गाजा में तत्काल संघर्ष-विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क स्थित 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के कार्यालय की लॉबी में फिलिस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन किया और इजराइल-हमास युद्ध को कवर करते समय निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाए जाने का आरोप लगाया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मीडिया संस्थान के मैनहट्टन स्थित कार्यालय में एकत्र हुए। इनमें से कई लोग इमारत के प्रांगण में आ गए और एक घंटे से अधिक समय तक धरना दिया। यह प्रदर्शन मीडियाकर्मियों के 'राइटर्स ब्लॉक' नामक एक समूह के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए हजारों फलस्तीनियों का जिक्र किया, जिनमें कम से कम 36 पत्रकार शामिल हैं।

7,50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी

जग बैंस ने 'बिग ब्रदर' जीत रचा इतिहास

एजेंसी । लॉस एंजिलिस

वाशिंगटन के एक उद्यमी और ट्रक कंपनी के मालिक जग बैंस ने रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' जीतने वाला पहला सिख-अमेरिकी बनकर इतिहास रच दिया। बैंस (25) ने पेशेवर तैराक मैट क्लॉट्ज और डीजे बॉवी जेन को हराकर 100 दिवसीय कार्यक्रम में शीर्ष स्थान हासिल किया। बैंस अमेरिका में 'बिग ब्रदर' हाउस में प्रवेश करने वाले पहले सिख-अमेरिकी थे और अब वह अंतरराष्ट्रीय रियलिटी सीरीज के 25वें सीजन में अमेरिकी संस्करण में जीत हासिल करने वाले पहले सिख-अमेरिकी बन गए हैं। 'बिग ब्रदर' ने 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल पर कार्यक्रम के परिणामों की घोषणा की। बैंस को 7,50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। बैंस अब 'बिग ब्रदर' के अमेरिकी संस्करण में इतिहास रचने वाले लगातार तीसरे विजेता हैं। 2021 में जेवियर प्रैथर कार्यक्रम में जीत हासिल करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति बने थे, जबकि उससे पिछले साल टेलर हेल शो जीतने वाली पहली अश्वेत महिला बनी थीं।

पाकिस्तान में मिली सुनहरी मछली

मछुआरे ने 7 करोड़ में बेची 'गोल्डन फिश'

■ दुर्लभ मछली बेच बना करोड़पति

एजेंसी । कराची

पाकिस्तान के कराची शहर में एक मछुआरा कई औषधीय गुणों वाली दुर्लभ मछली की नीलामी के बाद रातोंरात करोड़पति बन गया। इब्राहिम हैदरी गांव में रहने वाले हाजी बलोच और उनके दल ने अरब सागर से 'गोल्डन फिश' या स्थानीय बोली में 'सोवा' कही जाने वाली मछली पकड़ी। 'पाकिस्तान फिशरमेन फोल्क फोरम' के मुबारक खान ने कहा कि कराची बंदरगाह पर मछुआरों ने नीलामी में वह मछली लगभग सात करोड़ रुपए में बेच दी। बलोच ने कहा कि हम कराची के खुले समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। तभी हमें सुनहरी मछली मिली और यह हमारे लिए अप्रत्याशित था। हाजी ने कहा कि वह यह पैसा अपने सात लोगों के दल के साथ साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि मछलियां केवल प्रजनन काल के दौरान ही तट के पास आती हैं।

बहुमूल्य और दुर्लभ है 'सोवा' मछली

'सोवा' मछली को बहुमूल्य और दुर्लभ माना जाता है क्योंकि इसके पेट से निकलने वाले पदार्थों में बेहतरीन उपचार और औषधीय गुण होते हैं। मछली से प्राप्त धागे जैसे पदार्थ का उपयोग शल्य चिकित्सा में भी किया जाता है। 20 से 40 किलोग्राम वजन और 1.5 मीटर तक लंबाई वाली इस मछली की पूर्वी एशियाई देशों में बहुत मांग है। महत्वपूर्ण बात ये है कि 'सोवा' मछली सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व भी रखती है। इसका उपयोग दवाओं और व्यंजनों में किया जाता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl